Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 251 | रविवार, 20 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम मोदी ने रोजगार मेले में बांटे 51,000 नियुक्ति पत्र, कहा- विकासशील भारत ही मुख्य लक्ष्य

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 20वें रोजगार मेले में अलग-अलग सरकारी संगठनों में नए नियुक्त युवाओं को 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान मोदी ने कहा कि देश में त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। इन उत्सवों के बीच, आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशियाँ लेकर आया है। आज देश भर में 51,000 से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं... आप भारत सरकार से ऐसे समय में जुड़ रहे हैं जब देश एक बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है–और वह लक्ष्य है 2047 तक 'विकसित भारत' का निर्माण करना।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रयास में आप जैसे युवाओं की अहम भूमिका है। सरकार का हिस्सा होने के नाते, आपके हर फैसले से 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के अभियानों को लगातार मजबूती मिलनी चाहिए। युवा होने के नाते, अपने साथी युवाओं के प्रति आपकी एक विशेष ज़िम्मेदारी है। आज हम देख रहे हैं कि हमारे युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है। दुनिया को हमारे इनोवेटर्स, उद्यमियों और युवा शक्ति से बहुत उम्मीदें हैं। कुछ ही दिन पहले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन संपन्न हुआ। भारत ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि ब्रिक्स का सहयोग केवल सरकारों तक ही सीमित न रहे; बल्कि हमारे उद्यमी, किसान, महिलाएँ और युवा–सभी इस साझेदारी में सक्रिय रूप से शामिल हों। इसी सोच के साथ 'ब्रिक्स कनेक्ट' और 'ब्रिक्स MSME सहयोग पोर्टल' जैसी पहल शुरू की गई हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में, भारत ने लगभग 40 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं। ये FTA हमारे युवाओं के लिए मौके के नए दरवाजे खोल रहे हैं। ऐसे ट्रेड एग्रीमेंट हमारे उद्यमियों के लिए नई पार्टनरशिप का रास्ता बनाते हैं, नए बाजारों तक पहुँच दिलाते हैं और हमारे युवाओं के लिए करियर के नए अवसर पैदा करते हैं।

भारत सरकार लगातार युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर ध्यान दे रही है–चाहे वह नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, स्किल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना हो या अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने की कोशिशें हों। हमारा मकसद यह पक्का करना है कि हमारे युवाओं की शिक्षा और स्किल्स बदलती हुई इकॉनमी की जरूरतों के साथ कदम मिलाकर चलें। इसका एक उदाहरण PM SETU स्कीम है; 60,000 करोड़ के निवेश से 1,000 सरकारी ITI को मॉडर्न बनाया जा रहा है, और इस प्रक्रिया में इंडस्ट्री की सीधी भागीदारी भी पक्की की जा रही है।

उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं की क्षमता की एक और झलक हमारे स्टार्टअप इकोसिस्टम में दिखाई देती है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है और भारतीय स्टार्टअप की कहानी अब सिर्फ.बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है; लगभग आधे मान्यता प्राप्त स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित हैं।

इसका मतलब है कि गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के युवा भारत की नई अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहे हैं। छोटे शहरों के युवा अपने आइडिया पर काम कर रहे हैं, नई कंपनियां शुरू कर रहे हैं और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। हम प्राइवेट सेक्टर में भी रोजगार के अवसरों को तेजी से बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि इसी सोच के साथ लगभग 1 लाख करोड़ रुपये के बजट वाली 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' शुरू की गई है। इस योजना से लगभग 2 करोड़ युवाओं को पहली बार वर्कफोर्स (कामकाजी आबादी) में शामिल होने का मौका मिलेगा। इस योजना के तहत, सरकार अपनी पहली नौकरी पाने वाले युवाओं को 15,000 तक का इंसेंटिव दे रही है, साथ ही नए रोजगार के अवसर पैदा करने वाले नियोक्ताओं (एम्प्लॉयर्स) को भी इंसेंटिव दे रही है। दूसरे शब्दों में, सरकार देश में रोजगार बढ़ाने के लिए हर मोर्चे पर काम कर रही है। युवाओं के लिए नए अवसर तभी पैदा होते हैं जब देश की अर्थव्यवस्था बढ़ती है, निवेश बढ़ता है, नए उद्योग लगते हैं और नए सेक्टर का विस्तार होता है।

यूपी में अगले 6 महीने में 1 लाख युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी, सीएम योगी का ऐलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अगले छह महीने में राज्य में एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यहां उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (उप्रपीएससी) और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (उप्रएसएससी) द्वारा विभिन्न विभागों के पदों पर चयनित 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी पारदर्शिता के साथ साढ़े नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पिछली समाजवादी पार्टी सरकार (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा, '2017 से पहले जिन लोगों ने नियुक्ति पत्रों के वितरण में गड़बड़ी की थी, उनसे कहना चाहता हूं कि नोट कर लें, आज से फिर नियुक्ति पत्र वितरित कर रहे हैं और अगले छह महीने के अंदर एक लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी देंगे। वे (विपक्ष) गिनती करें, हम (नौकरी) देते जाएंगे।' मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले राज्य की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, 'उस समय उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा क्या थी, हर दूसरे दिन दंगा होता था, महीनों-महीनों तक कर्फ्यू रहता था और कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं था।' उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने भर्ती बोर्डों और आयोगों में अपने रिश्तेदारों को बैठाकर पूरी प्रक्रिया को बदनाम कर दिया था। योगी ने कहा, 'तब एक भी भर्ती ईमानदारी से नहीं होती थी। युवा पलायन करता था। उसके सामने एक ओर कुआं था और दूसरी ओर खाई, क्योंकि उत्तर प्रदेश में नौकरी नहीं थी और राज्य के बाहर उसके सामने पहचान का संकट था।

सीबीआई की जल्दबाजी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एफआईआर और ट्रैप में खामियों के चलते पूर्व आरपीएफ अफसर बरी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के एक मामले में एक सरकारी कर्मचारी को बरी कर दिया है। यह मामला 20 साल से भी पहले रिश्वत मांगने के आरोप में बिछाए गए जाल (ट्रैप) के बाद शुरू हुआ था। कोर्ट ने कहा कि सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के ऑपरेशन करने के तरीके पर गंभीर संदेह है और माना कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि बरामद पैसा अपीलकर्ता के लिए था। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाई कोर्ट के मई 2024 के आदेशों के खिलाफ दो अपीलें मंजूर करते हुए कहा कि ट्रैप (जाल बिछाने की कार्रवाई) को अपनी पूरी प्रक्रिया तक नहीं चलने दिया गया। हाई कोर्ट के उन आदेशों में एक स्पेशल ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच में CBI की गंभीर चूक और जल्दबाजी का फायदा अपील करने वाले व्यक्ति को मिलेगा। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा था जिनमें कहा गया था कि अपील करने वाले व्यक्ति ने रेलवे सुरक्षा बल में डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर के तौर पर काम करते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया; उसने बिचौलिये के तौर पर काम करने वाले अपने मातहत अधिकारियों के जरिए गैर-कानूनी रिश्वत की मांग की और उसे हासिल किया। कथित तौर पर ये पैसे RPF के उन कर्मचारियों से लिए गए थे जो ट्रांसफर, पोस्टिंग और नौकरी से जुड़े दूसरे फायदे चाहते थे। बाद में हुई जांच में कई फाइनल रिपोर्ट सामने आईं और गैर-कानूनी तरीके से पैसे लेने के अलग-अलग मामलों के आधार पर कई लोगों पर मुकदमे चलाए गए। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि जिस तरह से ट्रैप (जाल) बिछाया गया, उसमें कुछ संदेह की गुंजाइश थी। कोर्ट ने गौर किया कि शिकायत करने वाले ने कथित तौर पर 3 अगस्त, 2005 को CBI को रिश्वत की मांग के बारे में जानकारी दी थी और एजेंसी ने अगले ही दिन ट्रैप बिछाने का फैसला किया। FIR 4 अगस्त, 2005 को दर्ज की गई थी और उसी दिन ट्रैप (छापा) भी डाला गया था। बेंच ने 16 सितंबर के अपने फैसले में कहा, 'यह हैरानी की बात है कि CBI ने औपचारिक FIR दर्ज होने से पहले ही रिश्वत की शिकायत की पुष्टि करके एक संज्ञेय अपराध की जांच शुरू कर दी। यह भी देखा गया कि CBI ने ट्रैप को अंजाम देने से बहुत कम समय पहले दो स्वतंत्र ट्रैप गवाहों का इंतजाम किया था। बेंच ने कहा कि हालांकि जांच एजेंसी को इतनी असाधारण तेजी से ट्रैप आयोजित करने के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन इससे संदेह जरूर पैदा होता है।

पर्यावरण संरक्षण में भारत का बजा डंका: पीएम मोदी बोले- दुनिया को दिशा दिखा रहे; हाइड्रोजन ट्रेन का किया जिक्र

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स' (पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य) विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबे समय से कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाली जाती रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हकीकत यह है कि प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में भारत का योगदान वैश्विक औसत के आधे से भी कम है। वहीं विकसित देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारतीयों की तुलना में छह गुना अधिक है। भारत इन तथ्यों को वैश्विक मंचों पर पूरी मजबूती से रखता है। उन्होंने हर भारतवासी से भी इस दिशा में आत्मविश्वास और दम दिखाने की बात कही।

160 गीगावाट के पार पहुंची सौर ऊर्जा क्षमता

सौर ऊर्जा का ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि 12 साल पहले देश की सौर क्षमता केवल 2 गीगावाट थी, जो आज बढ़कर 160 गीगावाट के पार हो चुकी है। सरकार ने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के तहत घरों को सौर ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बनाने का मिशन शुरू किया। इस योजना के तहत अब तक 50 लाख से अधिक घरों में सोलर पैनल लग चुके हैं। यह संख्या कई देशों के कुल मकानों से भी अधिक है। सरकार ने ऐसे प्रत्येक परिवार को करीब 80,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज क्लीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। हाल ही में भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू हुई है, जो दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है। यह स्वच्छ परिवहन के एक नए युग का आगाज है।

पवन ऊर्जा क्षमता हुई तीन गुना

उन्होंने बताया कि बीते 12 वर्षों में देश की पवन ऊर्जा क्षमता में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। हाइड्रो ऊर्जा क्षमता में भी मजबूत विस्तार हुआ है। इसके साथ ही देश अब परमाणु ऊर्जा उत्पादन पर भी तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहा है। इन क्षेत्रों में निजी कंपनियों के लिए नए रास्ते खोले जा रहे हैं। इन प्रयासों के दम पर भारत की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

परिवहन क्षेत्र में आए बदलावों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि साल 2014 से पहले देश में हर साल सिर्फ 3,000 इलेक्ट्रिक वाहन बिकते थे। वहीं पिछले साल करीब 25 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिके हैं। इसके अलावा फास्टैग व्यवस्था लागू होने से टोल प्लाजा पर वाहनों का इंतजार घटा है और ईंधन की थपत में भारी कमी आई है।

पीएम ने मेट्रो नटवर्क का भी किया जिक्र

उन्होंने बताया कि 2014 से पहले केवल 5 शहरों में 250 किलोमीटर से कम का मेट्रो नेटवर्क था। आज देश के 20 शहरों में 1,000 किलोमीटर से अधिक लंबा मेट्रो नेटवर्क चालू है। साथ ही रेलवे के शत-प्रतिशत (100%) विद्युतीकरण से करोड़ों लीटर डीजल की बचत हुई है, जिससे पर्यावरण को सीधा फायदा मिला है। प्रधानमंत्री ने आगें कहा कि देश का विकास गति के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन को भी साध रहा है। उन्होंने बताया कि साल 2014 तक देश के केवल 5 शहरों में 250 किलोमीटर से कम का मेट्रो नेटवर्क मौजूद था। आज देश के 20 से अधिक शहरों में मेट्रो दौड़ रही है। इसके साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो चुका है, जहां 1,000 किलोमीटर से अधिक लंबा मेट्रो नेटवर्क है।

भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में तय कर रहा नए मानक

पीएम मोदी ने बताया कि भारत दुनिया के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण के नए मानक तय कर रहा है। उन्होंने 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड', अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), सीडीआरआई, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन और 'मिशन लाइफ' जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये सभी मंच पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति भारत के समर्पण का प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने पर्यावरण के हर क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। भारत जी-20 का इकलौता ऐसा देश है, जिसने पेरिस में कॉप-21 सम्मेलन में किए गए अपने संकल्पों को समय सीमा से पहले पूरा करके दिखाया है। आज गैर-जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा क्षमता और कार्बन उत्सर्जन पर रोक जैसे मानकों पर भारत के प्रदर्शन की चर्चा पूरी दुनिया में है।

डूसू चुनाव नतीजों में एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुला, एबीवीपी ने 3 और निर्दलीय ने जीती 1 सीट, बीजेपी गदगद

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन चुनावों में प्रेसिडेंट, सेक्रेटरी और जॉइंट सेक्रेटरी के पदों पर जीत हासिल की है और तीनों मुकाबलों में 3-1 से जीत दर्ज की है। वाइस प्रेसिडेंट पद के चुनाव में, NSUI से पहले जुड़े रहे निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शोकीन 26,341 वोटों के साथ आगे चल रहे हैं। ABVP के इशू मौर्य को 13,655 वोट मिले हैं, जबकि NSUI के वीर छत्रथ को 3,698 वोट मिले हैं। NSUI चार में से 0 के साथ संतोष करेगी, जबकि जंतर-मंतर पर छात्रों के इतने बड़े आंदोलन के बाद कांग्रेस पार्टी में जो थोड़ी-बहुत जान आई थी, यह परिणाम उसे भी शून्य कर देंगे। ABVP के यश डबास ने 24,576 वोटों से प्रेसिडेंट का पद जीता। निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शोकीन ने 30,634 वोटों से वाइस प्रेसिडेंट का पद हासिल किया। वहीं, ABVP की रिया छावड़ी ने सेक्रेटरी का पद जीता।

सीएम सम्राट चौधरी ने लॉन्च किया कायाकल्प पोर्टल, 30 नवंबर तक पूरे होंगे पंचायत स्तर के कार्य

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पटना। 18 सितम्बर 2026 मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'कायाकल्प' पोर्टल का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एच०आर० श्रीनिवास ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से 'कायाकल्प पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान की शुरूआत की गयी है। साथ ही कायाकल्प पोर्टल का भी लोकार्पण किया गया है। इस अभियान का मूल उद्देश्य है- सार्वजनिक सुविधाओं एवं परिसंपतियों को बेहतर एवं स्वच्छ बनाना तथा नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करना। उन्होंने कहा कि अभियान के दो प्रमुख अवयव हैं। पहला, पूर्व से अवस्थित परिसंपतियों का उन्नयन, सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मती, जिसे हर हाल में 30 नवम्बर तक पूर्ण किया जाना है। हमारा सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से आग्रह है कि इसे दीपावली के पहले ही पूर्ण कर लें। दूसरा, नई आधारभूत संरचना एवं परिसंपतियों का निर्माण जिसे 31 मार्च 2027 तक पूर्ण किया जायेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिये सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों के प्रतिनिधियों का सहयोग लें। छोटी-छोटी चीजों पर गौर करें और उसका सफल क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि पंचायत विकास दिवस के अवसर पर होनेवाले कार्यक्रम में इस अभियान के अवयवों को शामिल कर बेहतर ढंग से कार्यों को संपादित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी 'कायाकल्प' पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी।

सीएम भगवंत मान के काफिले के सामने हाई-वोल्टेज प्रोटेस्ट: हिरासत में बीजेपी नेता रवनीत बिट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। शनिवार को पंजाब पुलिस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रवनीत सिंह बिट्टू को हिरासत में ले लिया। उन्होंने पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी गेट के पास तब विरोध प्रदर्शन किया, जब मुख्यमंत्री भगवंत मान का काफिला वहां से गुजर रहा था। जब मान 'किसान मेले' के लिए यूनिवर्सिटी पहुंचे, तो बिट्टू PAU गेट पर मौजूद थे। विरोध के दौरान, बिट्टू ने मुख्यमंत्री के काफिले की ओर शराब की एक बोतल दिखाई और कहा कि वह मान को बोतल लौटा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि वे अपनी शराब का आनंद लें और अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से पंजाब को लूटने दें। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के मैदान में मुख्यमंत्री भगवंत मान के आने से पहले, शनिवार को इखढ नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने यूनिवर्सिटी के गेट नंबर 8 के बाहर CM को शराब की एक बोतल गिफ्ट की। हाथ में शराब की बोतल और टमाटर लिए बिट्टू ने कहा कि मान को अपनी शराब का मजा लेना चाहिए और अअढ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से राज्य चलाने देना चाहिए। गेट नंबर 8 के बाहर जल्दबाजी में बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिट्टू ने कहा कि वह वे बचे हुए अंडे और टमाटर भी साथ लाए हैं, जो उनकी पार्टी के कार्यकताओं ने शुक्रवार को उनके काफिले पर फेंके थे।

संपादक की कलम

दीपक की लौ और हमारी सांस्कृतिक संवेदन

ललित शर्मा
संपादक

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना, उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना—लोकतांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उपहास तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं। भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है— 'दीपो ज्योतिः परं ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते।।' अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्ज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है। इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता है, तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए, उसमें भागीदारी स्वैच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है। यहीं राजनीतिक आयोजन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है, तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका, खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बहस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिक आयोजन का विरोध करता है, तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा। आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है—व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं, लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है। जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा का उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है।

यादों की पिटारा

उदय कशोर साह

कविता

कैसे तुम्हें भूल जाऊँ मैं ,याद है वो पल
जो वक्त तेरे साथ गुजारे हैं हमने
सागर के साहिल पे बैठ कर कभी
रेत से तेरी मूरत बनाये थे ,वो सपने

चाँदनी रातों में साथ साथ चलकर
जीने मरने की कसमें खाये थे हमने
तेरी मुस्कराती लाल लाल होठों से
हँसने की कला सिखलाये थे तुमने

वो नीली पहाडों से गिरती जमीं पे झरना
साथ निभाने की सपने देख पाये थे हमने
वो पुरवाई मस्त पवन के संग संग
बह जाने की इकरार लिखावाये थे तुमने

तेरी गोद में एक पल नीदिंया में देखा था जो ख्वाब
तेरी जुल्फों में उलझ कर दिन रात गुजारे थे हमने
तेरी आँचल की बलखाती मदहोश का नजारा
मेरी मोहब्बत को गहराई में ले जा डुबोये थे तुमने

कैसे तुम्हें भूल जाऊँ मैं ,याद है वो पल
जब सावन की फुहार में भी झुले झुलाये थे हमने
मुस्कुराती थी देख हरसिंगार की नाजुक पंखुड़ियाँ
हम दोनों के प्यार परवान पे ले सपने दिखलाये थे सबने

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

परमाणु हथियारों की वापसी: हिरोशिमा जैसी भयावहता की ओर बढ़ती दुनियां

एनके शर्मा
लेखक

मानव सभ्यता ने विज्ञान की शक्ति से अंधकार को रोशनी में बदला, रोगों के उपचार खोजे, अंतरिक्ष की सीमाओं को लांघा और संचार को महाद्वीपों की दूरी से मुक्त कर दिया। लेकिन उसी विज्ञान ने मनुष्य के हाथों में ऐसा विनाश भी सौंप दिया, जिसकी एक चिंगारी पूरी सभ्यता की दिशा बदल सकती है। परमाणु हथियार इसी विरोधाभास का सबसे भयावह प्रतीक हैं। हिरोशिमा और नागासाकी की राख से दुनिया ने कभी संकल्प लिया था कि परमाणु विनाश को इतिहास का अंतिम अध्याय बनाया जाएगा, लेकिन आठ दशक बाद वही दुनिया फिर परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण, विस्तार और रणनीतिक महत्व की ओर लौटती दिखाई दे रही है।

1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के बाद तत्काल और बाद के वर्षों में भारी जनहानि हुई। परमाणु विस्फोट केवल तत्काल मृत्यु नहीं लाता; विकिरण, जलन, कैंसर, आनुवंशिक प्रभाव, विस्थापन और सामाजिक विनाश पीढ़ियों तक अपना असर छोड़ सकते हैं। हिरोशिमा और नागासाकी इस तथ्य के जीवित ऐतिहासिक प्रमाण हैं कि परमाणु युद्ध में विजय और पराजय की पारंपरिक अवधारणाएं अपना अर्थ खो देती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि आज परमाणु हथियारों की संख्या ही नहीं, उनकी तकनीकी क्षमता और रणनीतिक भूमिका भी बदल रही है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (रक्ढफ्क्र) के 2026 के आकलन के अनुसार जनवरी 2026 में दुनिया में लगभग 12,187 परमाणु वारहेड थे। इनमें करीब 9,745 सैन्य भंडार में संभावित उपयोग के लिए उपलब्ध थे और लगभग 4,012 तैनात स्थिति में थे। लगभग 2,100 से 2,200 तैनात वारहेड उच्च परिचालन सतर्कता पर रखे गए थे। रक्ढफ्क्र के अनुसार नौ परमाणु-सशस्त्र देशों ने 2025 में अपने परमाणु शस्त्रागारों के आधुनिकीकरण और उन्नयन के कार्यक्रम जारी रखे। यह आंकड़ा केवल हथियारों की गिनती नहीं है; यह उस मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक वातावरण का संकेत है जिसमें राष्ट्र अपनी सुरक्षा को परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से जोड़ते जा रहे हैं। परमाणु हथियारों के समर्थक तर्क देते हैं कि इनकी मौजूदगी बड़े युद्ध को रोकती है, क्योंकि विरोधी जानता है कि परमाणु हमला आत्मघाती परिणाम ला सकता है। लेकिन समस्या वहीं से शुरू होती है जहां प्रतिरोध और जोखिम के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। यदि निर्णय कुछ मिनटों, अधूरी सूचनाओं, तकनीकी चेतावनियों या गलत आकलन पर निर्भर हो, तो मानव सभ्यता का भविष्य किसी एक गलत निर्णय का बंधक बन सकता है। आज का खतरा केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं है। साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष-आधारित प्रणालियां, हाइपरसोनिक तकनीक और पारंपरिक तथा परमाणु क्षमताओं का आपसी मेल संकट की परिस्थितियों को और जटिल बना रहा है। रक्ढफ्क्र ने 2026 में चेताया है कि आधुनिक बहु-क्षेत्रीय युद्ध में परमाणु और गैर-परमाणु क्षमताओं का बढ़ता परस्पर संबंध परमाणु संघर्ष की ओर जाने वाले नए रास्ते पैदा कर सकता है। कल्पना कीजिए—किसी संकट के दौरान एक देश की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को साइबर हमले से गलत संकेत मिले, किसी मिसाइल की पहचान गलत हो जाए या कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली किसी असामान्य गतिविधि को हमला समझ बैठे। कुछ ही मिनटों में राजनीतिक नेतृत्व के सामने ऐसा निर्णय आ सकता है जिसके परिणामों को वापस लेना संभव नहीं होगा। परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भय शायद यही है कि वे केवल मानव की शक्ति को नहीं, उसकी गलती की कीमत को भी असाधारण रूप से बड़ा बना देते हैं। एक और गंभीर परिवर्तन हथियार नियंत्रण की वैश्विक व्यवस्था में आया है। रक्ढफ्क्र के अनुसार 2025 के अंत तक परमाणु निरस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था कमजोर हुई थी तथा प्रमुख परमाणु शक्तियों के बीच रणनीतिक संवाद की कमी ने प्रगति को बाधित किया। अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को सीमित करने वाला ठी६ रळअफ्ळ ढांचा भी समाप्त हो चुका है, जिससे दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु शस्त्रागारों पर पहले मौजूद एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय नियंत्रण व्यवस्था का अंत हुआ। इस स्थिति में सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि किस देश के पास कितने हथियार हैं। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या मानवता के पास उन हथियारों के आकस्मिक, अनधिकृत या गलत आकलन से उत्पन्न उपयोग को रोकने के लिए पर्याप्त राजनीतिक और तकनीकी सुरक्षा-व्यवस्थाएं हैं? परमाणु हथियारों की भयावहता का दायरा युद्धभूमि से बहुत आगे जाता है। एक परमाणु विस्फोट के बाद अस्पताल, बिजली, संचार, परिवहन, जल आपूर्ति और चिकित्सा व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। आधुनिक महानगरों की आबादी, उनकी घनी संरचना और वैश्विक आर्थिक परस्पर निर्भरता को देखते हुए परमाणु संघर्ष का प्रभाव केवल दो देशों की सीमा तक सीमित रहना कठिन होगा। मानवीय संगठनों के अध्ययन परमाणु विस्फोट के दीर्घकालिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय और आर्थिक प्रभावों की ओर भी ध्यान दिलाते हैं। और यदि परमाणु संघर्ष कई शहरों को प्रभावित करता है, तो समस्या केवल विस्फोट और विकिरण की नहीं रहेगी। वातावरण में बड़े पैमाने पर धुआं और कालिख पहुंचने से सूर्य के प्रकाश, तापमान और वर्षा के पैटर्न पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका पर वैज्ञानिक अध्ययन लंबे समय से चर्चा करते रहे हैं। कृषि उत्पादन प्रभावित हुआ तो खाद्य संकट सीमाओं को नहीं मानेगा। वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखलाएं और करोड़ों लोगों का जीवन अस्थिर हो सकता है। इसलिए परमाणु युद्ध का वास्तविक अर्थ केवल युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक मानवीय संकट हो सकता है। विडंबना यह है कि जिस दुनिया ने हिरोशिमा के बाद 'फिर कभी नहीं' का संदेश दिया था, वही दुनिया आज सुरक्षा की भाषा में परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण को सामान्य रणनीतिक प्रक्रिया की तरह देखने लगी है। रक्ढफ्क्र का 2026 का आकलन बताता है कि दशकों से चली आ रही वैश्विक परमाणु हथियारों की कुल संख्या में कमी की प्रवृत्ति आने वाले वर्षों में उलट सकती है, क्योंकि पुराने हथियारों को नष्ट करने की गति धीमी हो रही है और नए हथियारों की तैनाती बढ़ रही है। यहां अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने सबसे कठिन चुनौती है—सुरक्षा और निरस्त्रीकरण के बीच ऐसा संतुलन बनाना जिसमें किसी राष्ट्र की सुरक्षा-चिंता को नकारे बिना परमाणु हथियारों पर निर्भरता घटाई जा सके। संवाद, संकट-संचार तंत्र, पारदर्शिता, विश्वसनीय हथियार नियंत्रण और दुर्घटनावश परमाणु संघर्ष को रोकने वाली व्यवस्थाएं केवल कूटनीतिक औपचारिकताएं नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सुरक्षा-दीवारें हैं।

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ललित गर्ग
लेखक

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का 'काला दिन' बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं। अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निदेशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गंदे खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मयार्दा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए। तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निदेशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझनें न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं।

ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पली-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है।

गणना का तिलिस्म और लापता मतदाता

डॉ विजय गर्ग
लेखक

मतदाता सूची केवल नामों की एक सूची नहीं होती। यह वह महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसके माध्यम से योग्य नागरिक अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए जब किसी नागरिक का नाम मतदाता सूची में नहीं मिलता, तो यह मामला केवल आंकड़ों या कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहता। इसका सीधा संबंध नागरिक की चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी से होता है। मतदाता सूची तैयार करना और समय-समय पर उसमें संशोधन करना एक महत्वपूर्ण और जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया है। भारत में चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया का प्रबंधन किया जाता है, जबकि निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और बूथ लेवल अधिकारी मतदाता सूचियों की तैयारी, सत्यापन और अद्यतन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जब आंकड़े सवाल खड़े करते हैं

मतदाताओं की गणना और मतदाता सूची के संशोधन में नागरिकों से संबंधित जानकारी एकत्र करना, उसकी जांच करना और आवश्यकता के अनुसार उसे अद्यतन करना शामिल होता है। विशेष गहन पुनरीक्षण जैसी प्रक्रियाओं के दौरान बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर जानकारी का सत्यापन कर सकते हैं, फॉर्म वितरित कर सकते हैं और उन्हें एकत्र कर सकते हैं। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना तथा अयोग्य या अस्तित्वहीन प्रविष्टियों को ठीक करना होता है।

लेकिन मतदाताओं की गणना केवल साधारण गिनती का काम नहीं है। लोग एक शहर से दूसरे शहर या एक राज्य से दूसरे राज्य में चले जाते हैं। कुछ परिवार अपना निवास बदल लेते हैं, जबकि कई विद्यार्थी या नौकरीपेशा लोग लंबे समय तक अपने मूल स्थान से दूर रहते हैं। इसके अलावा, व्यक्तिगत विवरणों में बदलाव, दोहराई गई प्रविष्टियां या अन्य प्रशासनिक कारणों से भी सूची में संशोधन की आवश्यकता पड़ सकती है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना एक निरंतर प्रशासनिक चुनौती है।

'लापता' मतदाता कौन है?

'लापता मतदाता' शब्द विभिन्न परिस्थितियों को दर्शा सकता है और हर मामले को अपने आप किसी गलती या अनियमितता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कोई व्यक्ति अपना निवास किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित कर चुका हो सकता है।

किसी मतदाता ने आवश्यक फॉर्म जमा न किया हो। किसी नाम पर सत्यापन, दोहराव या अन्य संशोधन प्रक्रिया का प्रभाव पड़ा हो। कई बार किसी योग्य नागरिक को पता चल सकता है कि उसका नाम संबंधित मतदाता सूची में मौजूद नहीं है। इसलिए किसी एक सूची से नाम गायब होने को तुरंत किसी गलत कार्रवाई का प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए। प्रत्येक मामले का सत्यापन आवश्यक है।

गणना प्रक्रिया का महत्व

मतदाता सूची के संशोधन का उद्देश्य इसे अधिक से अधिक सटीक और अद्यतन बनाए रखना है। एक सही मतदाता सूची मतदाताओं और चुनाव प्रशासन, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। पुरानी सूची में उन लोगों के नाम रह सकते हैं, जो अपना निवास बदल चुके हैं या जिनकी मृत्यु हो चुकी है।

दूसरी ओर, यदि सूची को उचित रूप से अद्यतन न किया जाए, तो नए योग्य नागरिकों के नाम शामिल होने से रह सकते हैं। इसलिए मुख्य चुनौती दोनों उद्देश्यों के बीच संतुलन बनाए रखना है—गलत या अमान्य प्रविष्टियों को हटाना और किसी भी योग्य नागरिक को गलती से मतदान के अधिकार से वंचित न होने देना।

नागरिकों की भी जिम्मेदारी

मतदाता सूची की शुद्धता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। नागरिकों को भी समय-समय पर अपने मतदाता विवरण की जांच करनी चाहिए। चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में अपना नाम खोजने, नया पंजीकरण कराने, आवेदन की स्थिति जांचने और विवरणों में संशोधन करने के लिए ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। यदि कोई योग्य नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं है या उसका नाम सूची में नहीं मिलता, तो उसे उपलब्ध निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पंजीकरण या सुधार के लिए आवेदन करना चाहिए। मतदाता जागरूकता इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है। यदि चुनाव के दिन ही यह पता चले कि नाम सूची में नहीं है, तो समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए पहले से अपने विवरणों की जांच करना अधिक समझदारीपूर्ण है।

तकनीक और पारदर्शिता

डिजिटल तकनीक ने मतदाता सूची प्रबंधन में कई बदलाव किए हैं। अब नागरिक घर बैठे अपना नाम खोज सकते हैं, आवेदनों की स्थिति देख सकते हैं और मतदाता सेवाओं से संबंधित अनेक कार्य ऑनलाइन कर सकते हैं।

तकनीक प्रक्रिया को आसान और तेज बना सकती है, लेकिन केवल तकनीक से शुद्धता की गारंटी नहीं हो सकती। आंकड़ों को सही ढंग से एकत्र करना, उनका सत्यापन करना, उन्हें अद्यतन करना और नागरिकों तक स्पष्ट जानकारी पहुंचाना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही नागरिकों के लिए अपनी शिकायतें, दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की स्पष्ट और सरल प्रक्रिया उपलब्ध होनी चाहिए।

आंकड़ों के पीछे एक इंसान

हर मतदाता आंकड़े के पीछे एक इंसान होता है। मतदाता सूची में लाखों नाम हो सकते हैं, लेकिन प्रत्येक नाम ऐसे नागरिक का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने से सीधा संबंध है। इसलिए चुनाव प्रबंधन में तेजी के साथ संवेदनशीलता और सावधानी भी आवश्यक है। बुजुर्गों, प्रवासी मजदूरों, विद्यार्थियों, दिव्यांग व्यक्तियों और बार-बार निवास बदलने वाले लोगों के लिए विशेष सहायता तथा स्पष्ट जानकारी महत्वपूर्ण हो सकती है। जब किसी नागरिक का नाम सूची में नहीं मिलता, तो उसे यह पता चलना चाहिए कि समस्या क्या है, किन दस्तावेजों या प्रक्रियाओं की आवश्यकता है और सुधार के लिए कौन-सा रास्ता उपलब्ध है।

शिकायतों का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी तथा निष्पक्ष तरीके से करें: डीएम अभिषेक पाण्डेय

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में तहसील रानीगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। रानीगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 183 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 183 शिकायतों में से 94 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 51, विकास विभाग से 10 एवं 28 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। डीएम ने प्रत्येक प्रार्थना पत्र पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित करने और शिकायतों का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी तथा निष्पक्ष तरीके से करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकताओं की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट हो।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिकायतों के निपटारे में किसी भी प्रकार की अनदेखी या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समय पर और सही तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से भूमि संबंधी मामलों पर गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजी जाए और विवादों का निष्पक्ष एवं शीघ्र निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि जमीन संबंधी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, जिससे लोगों को न्याय मिल सके और विवादों का स्थायी समाधान हो सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि कोई भी पात्र एवं गरीब व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने पाए। इसके लिए सभी विभाग अपने स्तर पर सतर्कता बरतें और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी रानीगंज सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण बसों के मनमाने संचालन का आरोप, ऑटो चालकों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के अंतर्गत संचालित बसों के कथित मनमाने संचालन को लेकर ऑटो चालकों ने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ बस संचालक निर्धारित रूट और स्टैंड के बजाय मेरठ रोड हापुड़ पर जगह-जगह बस खड़ी कर सवारियां बैठाते हैं, जिससे ऑटो चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ऑटो चालकों का कहना है कि बसों के इस प्रकार संचालन का विरोध करने पर कुछ बस चालक एवं मालिक कथित रूप से गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देते हैं। इसके चलते ऑटो चालक भयभीत हैं और उन्हें अपनी आजीविका चलाने में परेशानी हो रही है। शिकायतकताओं ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के अंतर्गत संचालित बसों को निर्धारित रूट पर चलाने तथा निर्धारित स्टैंड पर ही खड़ा कर सवारियां बैठाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही ऑटो चालकों को परेशान करने और धमकाने की शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए।शिकायतकताओं ने कहा कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है, इसलिए बसों का संचालन निर्धारित नियमों एवं मार्ग के अनुसार कराया जाना आवश्यक है।

दिव्यांग बच्चों के लिए मेजरमेंट कैंप आयोजित, 52 बच्चों के लिए 92 सहायक उपकरण स्वीकृत

चार बच्चों के लिए कृत्रिम अंग भी स्वीकृत, विभिन्न श्रेणी के दिव्यांग बच्चों का किया गया मापन

टांडा (वेलकम इंडिया)। समग्र शिक्षा और एलिम्को कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को बीआरसी नेकपुर, विकासखंड भगतपुर टांडा में दिव्यांग बच्चों के लिए मेजरमेंट कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 52 दिव्यांग बच्चों का पंजीकरण एवं मापन किया गया। मापन के बाद बच्चों की आवश्यकता के अनुसार कुल 92 सहायक उपकरण स्वीकृत किए गए। इनमें चार बच्चों के लिए कृत्रिम अंग भी शामिल हैं। शिविर का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह के निर्देशन तथा जिला समन्वयक आईईडी डॉ. तारा सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में खंड शिक्षा अधिकारी मोहित कुमार का विशेष सहयोग रहा। एलिम्को की ओर से ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. ज्ञानेंद्र, प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक विशेषज्ञ पिंटू और गुलशन कुमार तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर योगेश सिंह ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के दौरान मूक-बधिर, अस्थि दिव्यांग, बौद्धिक दिव्यांगता, बहु-दिव्यांगता और दृष्टि दिव्यांगता वाले बच्चों का मापन किया गया। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने बच्चों की जरूरत के अनुसार उपकरणों का आकलन किया। शिविर में एक बच्चा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान तथा एक बच्चा पीएम श्री विद्यालय से भी शामिल हुआ। शिविर को सफल बनाने में रिसोर्स टीचर एवं स्पेशल एजुकेटर राजकुमार सिंह, अमित सिंह, ऋषिकेश नारायण शुक्ला, नरदेव सिंह, गौरी राठौर, रूप सिंह, विशाल यादव, नरेंद्र यादव, एकलव्य पुरी और प्रकाश चंद पटेल सहित अन्य शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दिव्यांग बच्चों को सुविधाएं दिलाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

प्रत्येक दिव्यांग बच्चे तक उसकी आवश्यकता के अनुरूप सुविधा पहुंचाना हम सभी का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। हमारा प्रयास है कि कोई भी बच्चा अपनी विशेष आवश्यकता के कारण शिक्षा, अवसर और सम्मान से वंचित न रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 121 शिकायतें, 21 का मौके पर निस्तारण

जिलाधिकारी कविता मीना ने गर्भवती महिलाओं की कराई गोद भराई, पोषण किट वितरित

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 121 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 21 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। अधिकारियों ने शेष शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।तहसील हापुड़ में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 55 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 8 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। इससे पूर्व तहसील परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां एवं पोषण किट वितरित की गईं। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने महिलाओं को संतुलित आहार और प्रसव पूर्व देखभाल की जानकारी दी।समाधान दिवस में खतौनी, वरासत, सीमांकन, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, भूमि विवाद, मारपीट, शांति भंग, साइबर फ्रॉड, पेंशन, आवास, शौचालय, सड़क, विद्युत एवं पेयजल से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकन करते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। भूमि विवादों में राजस्व एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्रवाई करें तथा शिकायतकताओं को निस्तारण की जानकारी फोन के माध्यम से भी दी जाए।पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कहा कि कानून-व्यवस्था से संबंधित शिकायतों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने थाना स्तर पर ही पीड़ितों की सुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।वहीं धौलाना तहसील में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ, जहां 31 शिकायतें प्राप्त हुईं और 3 का मौके पर निस्तारण किया गया।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हादसे में घायल युवक ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

वेलकम इंडियासंवाददाता

पिलखुवा। कोतवाली क्षेत्र के एनएच-09 स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज के पास सर्विस रोड पर 14 सितंबर की दोपहर दो बाइकों में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में घायल हुए तीसरे युवक राशिद (26) ने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे में बाइक सवार दंपती वसीम सैफी (45) व उनकी पत्नी शाहीन (40) निवासी गांव फत्तापुर सिंभावली की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि दूसरी बाइक पर सवार राशिद निवासी गढ़ी मोहल्ला चमनपुरी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। थाना सिंभावली क्षेत्र के गांव फत्तापुर निवासी वसीम सैफी अपनी पत्नी शाहीन के साथ 14 सितंबर की दोपहर घर से बाइक पर पिलखुवा दवाई लेने के लिए जा रहे थे। एनएच-09 स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज के पास सर्विस रोड पर पहुंचने पर सामने से आ रही तेज रफ्तार दूसरी बाइक से उनकी बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई थी। दूसरी बाइक राशिद चला रहे थे। हादसे के दौरान भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और दपंती की मौके पर ही मौत हो गई थी।

गंभीर हालत में राशिद को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। शनिवार की सुबह उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी मौत की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। सीओ मुनीश चंद्र का कहना है कि मामले में एक और मौत की जानकारी मिली है। इस संबंध में परिजनों से बात कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश सचिव एवं पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र जाखड़ के नेतृत्व में हुआ स्वागत

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। समाजवादी पार्टी महिला सभा की नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव का हापुड़ आगमन पर पार्टी कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र जाखड़ ने किया। इस दौरान कार्यकताओं ने नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता भी समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र जाखड़ ने की। उन्होंने कहा कि संगठन में नई जिम्मेदारियां मिलने से कार्यकताओं में उत्साह बढ़ता है और पार्टी संगठन को मजबूती मिलती है।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष किशन सिंह तोमर, रविंद्र चौधरी (गढ़मुक्तेश्वर), संजय यादव, दिनेश तोमर, बिलाल सैफी, जहीर सलमानी, मुन्नी यादव, श्रीमती अंजू जाटव, अशोक यादव, रिंकू चौधरी, सनी पवार, हसीन चौधरी, पूर्व नगर अध्यक्ष पदम सिंह, ललित सिंह, रागीब चौधरी जिला अध्यक्ष मजदूर सभा वकार अहमद एवं रविंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वरिष्ठ भाजपा नेत्री लज्जा रानी गर्ग के निधन पर शोक संवेदना

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/पिलखुवा। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री एवं पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लज्जा रानी गर्ग के निधन पर उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ सदर विधायक हापुड़ विजय पाल आढ़ती ने उनके आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की। विधायक विजय पाल आढ़ती ने कहा कि लज्जा रानी गर्ग का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

आनंद विहार आवासीय योजना में सड़कों का होगा सुदृढ़ीकरण, बिछेगी नई सीवर लाइन

2.76 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शुरू, जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था भी होगी बेहतर

वेलकम इंडियासंवाददाता

हापुड़। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की आनंद विहार आवासीय योजना में तेजी से हो रहे भवन निर्माण को देखते हुए अब यहां मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की तैयारी शुरू कर दी गई है। आवासीय योजना में सड़कों का सुदृढ़ीकरण करने के साथ ही विभिन्न स्थानों पर सीवर लाइन बिछाई जाएगी। इसके अलावा सीवर व्यवस्था के संचालन, अनुरक्षण, सफाई और मरम्मत का कार्य भी कराया जाएगा। इन विकास कार्यों पर करीब 2.76 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं, जिसके लिए प्राधिकरण की ओर से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्राधिकरण के अनुसार आनंद विहार आवासीय योजना के ब्लॉक-एल में एसटीपी तक सीवर लाइन डालने के लिए करीब 1.39 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं सड़क संख्या-5 के किनारे से डी-ब्लॉक के सेंटर शॉपिंग प्लॉट तक सड़क की रिसर्फेसिंग के लिए 76.76 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। सीवर लाइनों के एक वर्ष तक संचालन, अनुरक्षण, सफाई और मरम्मत के लिए 29.58 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी क्रम में आनंद विहार आवासीय योजना के ब्लॉक-सी की आंतरिक सड़कों के सुदृढ़ीकरण पर 69.75 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। सड़कों, नालियों और पटरियों की सफाई तथा कूड़ा उठाने के कार्य के लिए 38.72 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा सीवर लाइनों के संचालन और अनुरक्षण के लिए 29.58 लाख रुपये तथा जलापूर्ति लाइनों के एक वर्ष तक संचालन एवं अनुरक्षण के लिए 31.54 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

> - सड़क संख्या-5 के किनारे से डी-ब्लॉक के सेंटर शॉपिंग प्लॉट तक सड़क की रिसर्फेसिंग के लिए 76.76 लाख रुपये का प्रावधान

प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि आनंद विहार आवासीय योजना के विभिन्न हिस्सों में अब भवनों का निर्माण तेजी से हो रहा है। ऐसे में यहां रहने वाले लोगों और भविष्य में आवासीय क्षेत्र में आने वाले परिवारों की जरूरतों को देखते हुए सड़क, सीवर, जलापूर्ति और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाना जरूरी है। प्राधिकरण के सचिव अमित कादियान ने बताया कि आनंद विहार में तेजी से आबादी बढ़ने के साथ मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए सड़क, सीवर, जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। इससे आवासीय योजना में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और निमार्णाधीन क्षेत्रों में भी बुनियादी व्यवस्थाएं मजबूत होंगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रानीगंज पहुंची संकल्प बाइक यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

रानीगंज। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'कर्मभूमि काशी से जन्मभूमि वडनगर तक' निकाली गई संकल्प बाइक यात्रा का आज रानीगंज विधानसभा क्षेत्र में शिवगढ़ बॉर्डर पर पहुंचने पर रानीगंज के निवर्तमान विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा के नेतृत्व में कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों द्वारा जगह-जगह उत्साहपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। शिवगढ़ बॉर्डर से बभनमई स्थित प्रेम साधना पैलेस तक यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर भाजपा कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल बाइक सवारों का स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जीवन, उनके राष्ट्रसेवा के संकल्प तथा देश के विकास में उनके योगदान के विषय में जन-जन से संवाद करते हुए जानकारी साझा की गई। बभनमई स्थित प्रेम साधना पैलेस में यात्रा में शामिल कार्यकताओं एवं बाइक सवारों के लिए अल्प विश्राम, भोजन एवं जलपान की व्यवस्था की गई। इसके उपरांत यहां चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन राष्ट्रसेवा, समर्पण और जनकल्याण की प्रेरणादायी यात्रा है। उनके जन्मदिवस पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'कर्मभूमि काशी से जन्मभूमि वडनगर तक' की यह संकल्प बाइक यात्रा प्रधानमंत्री जी के प्रति जन-जन के स्नेह, सम्मान और सेवा के संकल्प को प्रदर्शित करती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

निर्माण श्रमिक राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं: सीएम धामी

वेलकम इंडिया/ओ पी उनियाल

देहरादून। उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत 10,709 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में एक क्लिक के माध्यम से 18 करोड़ 49 लाख रूपए की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गयी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि निर्माण श्रमिक राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि श्रमिकों और उनके परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र श्रमिक परिवार तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच के दौरान जिन लोगों में किसी बीमारी की पहचान हुई है, स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर उनके समुचित उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है, सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि अपनी विभागीय योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक जनसुविधा और जनसेवा के कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, परिवारों के पोषण, महिलाओं के स्वास्थ्य तथा कार्यस्थल पर स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान डीबीटी के अंतर्गत प्रसूति एवं प्रसविधा हेतु सहायता के 95 लाभार्थी, मृत्युपरांत सहायता के 177 लाभार्थी, विवाहोपरांत (पुत्री विवाह) सहायता के 2,354 लाभार्थी तथा शिक्षा सहायता के 8,083 लाभार्थी शामिल हैं। इस प्रकार कुल 10,709 लाभार्थियों को सहायता राशि हस्तांतरित की गई। बैठक में उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिक परिवारों के लिए संचालित समेकित कल्याण मॉडल की प्रगति की जानकारी भी दी गई। अब तक 33,429 शिक्षण सामग्री किट, 26,674 स्वच्छता सामग्री किट और 23,216 पोषाहार किट वितरित की गई हैं। इस प्रकार कुल 83,319 किट का वितरण किया जा चुका है। श्रमिक स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत 20,527 स्वास्थ्य स्क्रीनिंग और 2,32,281 स्वास्थ्य परीक्षण किए गए हैं।

इस दौरान एलसीसीएमएस की प्रगति की भी जानकारी दी गई। इस प्रणाली को वर्ष 2025 में ई-गवर्नेंस श्रेणी में स्कॉच गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार के स्तर पर भी इस प्रणाली की सराहना की गई है तथा इसे बेस्ट प्रैक्टिसिस एलसीसीएमएस को देशभर में अपनाए जाने योग्य डिजिटल गवर्नेंस मॉडल के रूप में भी प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री श्रमिक स्वास्थ्य कंपेडियम में शामिल किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से 21,200 प्रतिष्ठानों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया है और सेस संग्रह में 47.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत श्रमिकों की नियमित स्वास्थ्य जांच से कुछ गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान होने में भी मदद मिली है। मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार सम्मेलन में इस योजना को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली तथा पश्चिम बंगाल, दिल्ली, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों ने उत्तराखण्ड के इस मॉडल को अपने राज्यों में अपनाने में रुचि व्यक्त की। इस अवसर पर राज्य सलाहकार श्रम संविदा बोर्ड के अध्यक्ष कैलाश पंत, सतर्कता समिति की अध्यक्ष श्रीमती गीता रावत, उपाध्यक्ष श्रीमती मोहनी पोखरिया, उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. श्रीधर बाबू अदांकी, सचिव श्री प्रकाश चन्द्र दुम्का सहित श्रम विभाग एवं बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

वन विभाग पर लापरवाही और वन्य जीवों से होने वाले नुकसान और खनन क्षेत्रो का गुगल मैपिंग कर जांच की मांग

बागेश्वर सँघर्ष वाहिनी ने जल्द मांगे पूरी नही होने पर दी आन्दोलन की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। 13 सूत्रीय मांगों को लेकर संघर्ष वाहिनी एक बार फिर मुखर हो गई है। वाहिनी कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष कवि जजोशी के नेतृत्व में प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) कार्यालय में धरना देकर प्रदर्शन किया। इस दौरान हुई सभा में ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यजीवों से हो रहे नुकसान पर चिंता जताते हुए मुआवजा प्रक्रिया सरल करने समेतजंगली जानवरों के आतंक से काश्तकारों को निजात दिलाने, वन्य जीवों से सुरक्षा हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो लोगों को नियुक्त करने,वन क्षेत्र के प्रमुख मार्गों की मरम्मत करने,जिले में वन पंचायतो से सटे या रिजर्व वन से लगे खड़िया खनन और स्टोन क्रेशर का सीमांकन करने, गूगल मैपिंग से सभी वन क्षेत्र से सटे खड़िया खदानों की उच्चस्तरीय जांच, कर वन पंचायत और वन क्षेत्र में अतिक्रमण कर चल रहे खदानों के खिलाफ कार्रवाई करने,सहित विभिन्न मांगें उठाई गईं। कार्यकर्ताओं ने डीएफओ को ज्ञापन भी सौंपा। जिलाध्यक्ष कवि जोशी के नेतृत्व में कार्यकर्ता डीएफओ कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी के साथ धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली सूअर, बंदर, लंगूर, गुलदार और भालू के कारण फसल, मवेशियों और जनजीवन को लगातार नुकसान हो रहा है।ज्ञापन में शीघ्र प्रमुख मांगो का निराकरण नही होने और जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारी कर्मचारियों द्वारा कोताही बरतने पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की इस दौरान अंकुर उपाध्याय,कमल किशोर पाण्डेय,दीप चन्द जोशी,विजय परिहार, कुलदीप सिंह,विनोद थापायोगेश पांडे, आदि मौजूद थे।

संविधान ने हमें बहुत से नागरिक अधिकार दिये हैं: अबू आसिम आजमी

आज के सियासी और समाजी माहौल में हम क्या करें सेमिनार का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। हमारे देश के संविधान ने हमें बहुत से नागरिक अधिकार दिये हैं तो साथ ही हमें जिम्मेदारियां भी दी हैं। जिन्हे पूरा करने में हम से कहीं न कहीं कोताही हुई है। जिसके नतीजे में बसुधैव कुटुम्बकम वाला भारत में आज नफरत के बीज बोकर हमें अलग अलग किया जा रहा है। उक्त बातें महाराष्ट्र सपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी ने सेमरियावा में संविधान प्रदत्त अधिकार और हमारी जिम्मेदारियां- आज के सियासी और समाजी माहौल में हम क्या करें विषयक सेमिनार को सम्बोधित करते हुई कहीं। उन्होंने कहा कि आज नफरत की ऐसी आंधी चल रही है जो कि देश हित में कत्तई नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की सत्ता से नफरत वाली की ताकतों को हटाना समय की आवश्यकता है। इससे पूर्व फूलमालाओ से उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मुहम्मद अहमद, मौलाना अहमद बेग नदवी, तारिक शमीम आजमी, गौहर अली खान, सुबोध यादव, प्रिया पाठक, जावेद खान, सैयद फिरोज अशरफ, अल्लामा मुहम्मद उमर, मौलाना मुजीब बस्तवी, हाजी मुनीर आलम, हाजी वसी अहमद खां, मौलाना अब्दालुल हक सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राधाष्टमी पर सफेद छतरी में विराजीं ब्रजनंदनी, राधारानी के दर्शन को उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

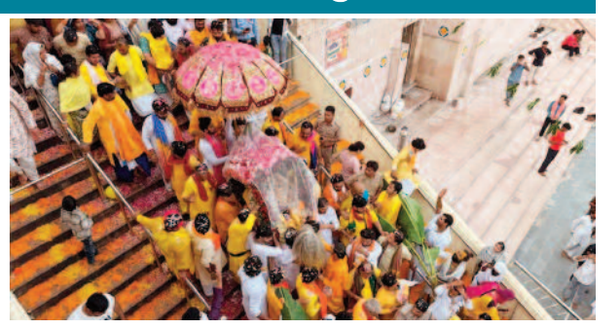

मथुरा। राधाष्टमी के पावन अवसर पर शनिवार की शाम बरसाना में भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। लाडलीजी मंदिर में राधारानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। संध्या बेला में जैसे ही लाडलीजी मंदिर के गर्भगृह से ब्रजनंदनी का डोला मंदिर प्रांगण में स्थित संगमरमर की सफेद छतरी की ओर रवाना हुआ, पूरा बरसाना राधे-राधे के जयघोष से गूंज उठा। फूलों से सजे डोले में विराजमान राधारानी की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु घंटों प्रतीक्षा करते रहे। गोस्वामी समाज के युवक डोले को अपने कंधों पर उठाकर जयकारे लगाते हुए सफेद छतरी तक पहुंचे। उनके साथ चल रहे बुजुर्ग गोस्वामियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण किया जा रहा था। गाजे-बाजे और मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। जैसे ही डोला सफेद छतरी तक पहुंचा, विधि-विधान के साथ राधाकृष्ण के श्रीविग्रह को वहां विराजमान कराया गया। श्रीजी के नजदीक से दर्शन पाकर श्रद्धालुओं की आंखों में भक्ति और श्रद्धा के भाव छलक उठे। कोई श्रद्धालु हाथ जोड़कर अपलक राधारानी को निहारता दिखाई दिया तो कोई उनकी दिव्य छवि को अपने मन में बसाने में मग्न रहा। मंदिर परिसर में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं के बीच लगातार राधे-राधे के जयकारे गूंजते रहे। राधारानी के सफेद छतरी में विराजमान होते ही मानो पूरा मंदिर परिसर राधामय हो गया। श्रीजी के सफेद छतरी में विराजमान होने के बाद गोस्वामी समाज की ओर से ब्रज के पारंपरिक पदों का समाज गायन शुरू किया गया। ब्रजभाषा के मधुर पदों की

हमारे गांव खुशहाल होंगे तो प्रदेश और देश भी खुशहाल होंगे: मुख्यमंत्री धामी

होम स्टे नीति से पहाड़ के गांवों में पर्यटन को मिल रही नई रफ्तार, रिवर्स पलायन को भी बढ़ावा

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। उत्तराखंड सरकार की होम स्टे नीति पहाड़ के गांवों में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने और गांवों से पलायन रोकने के लिए पर्यटन गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने पर विशेष जोर दे रही है। इसी का परिणाम है कि बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं होम स्टे व्यवसाय से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। राज्य में रिवर्स पलायन को लेकर सामने आए आंकड़ों के अनुसार करीब साढ़े छह हजार प्रवासी अपने गांव लौट चुके हैं। इनमें 22 प्रतिशत से अधिक प्रवासियों ने होम स्टे व्यवसाय को अपने रोजगार के साधन के रूप में अपनाया है। इससे पहाड़ों में खाली हो रहे गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।

प्रदेश में वर्तमान में करीब पांच हजार से अधिक होम स्टे संचालित होने का अनुमान है। सरकार की दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे विकास योजना इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत पिछले चार वर्षों में 537 लाभार्थियों को होम स्टे निर्माण के लिए अनुदान के रूप में 79 करोड़ 28 लाख 18 हजार रुपये की धनराशि दी जा चुकी है। योजना के अंतर्गत पर्वतीय क्षेत्रों में परियोजना लागत की 50 प्रतिशत राशि, अधिकतम 15 लाख रुपये तक, जबकि मैदानी क्षेत्रों में परियोजना लागत की 25 प्रतिशत राशि, अधिकतम 7.50 लाख रुपये तक सब्सिडी के रूप में दी जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारे गांव खुशहाल होंगे तो प्रदेश और देश भी खुशहाल होंगे। इसी ध्येय के साथ सरकार पर्यटन को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि होम स्टे योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में कारगर साबित हो रही है। स्थानीय लोगों के बड़ी संख्या में होम स्टे व्यवसाय से जुड़ने से जहां युवाओं को रोजगार मिल रहा है, वहीं उत्तराखंड के गांव देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। उत्तरकाशी जिले में भारत-चीन सीमा के निकट स्थित सीमांत गांव जादुंग को भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से स्थापित करने की तैयारी है। धामी सरकार ने जादुंग को होम स्टे क्लस्टर के रूप में विकसित करने की पहल की है। गांव में छह होम स्टे का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सामरिक परिस्थितियों के कारण सेना ने सीमांत क्षेत्र के नेलांग और जादुंग गांवों को खाली करा लिया था। वर्तमान में दोनों गांव केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में शामिल हैं। होम स्टे और पर्यटन गतिविधियों के विकास से इन सीमांत गांवों में आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

मेरी योजना मेरी सरकार कार्यक्रम के तहत ट्रेकिंग ट्रांजिट सेंटर होम स्टे अनुदान योजना भी लागू की गई है। इसका उद्देश्य पर्यटन से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही स्थानीय लोगों की पर्यटन गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत पिछले चार वर्षों में 258 पात्र लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

होम स्टे योजना का लाभ लेने के लिए उत्तराखंड सरकार के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के बाद जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक में आवेदक का साक्षात्कार लिया जाता है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया के लिए आवेदन संबंधित बैंक को भेजा जाता है। इस पूरी व्यवस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन आधारित स्वरोजगार को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों को अपने ही गांव में आय का स्थायी साधन उपलब्ध कराना है। सरकार का मानना है कि होम स्टे के विस्तार से पर्यटन का लाभ केवल बड़े पर्यटन केंद्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्य के दूरस्थ पहाड़ी गांवों तक पहुंचेगा। इससे स्थानीय संस्कृति, खान-पान और पारंपरिक जीवनशैली को पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

डीएम की अध्यक्षता में खलीलाबाद तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस, सुनी फरियादियों की शिकायतें

जनपद की तीनों तहसीलों में 175 प्रार्थना पत्रों की हुई सुनवाई, 24 मामलों का मौके पर निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में खलीलाबाद तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतें सुनते हुए मौके पर निस्तारण योग्य मामलों को संबंधित अधिकारियों के माध्यम से तत्काल निस्तारित कराया। शेष प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के साथ ही शिकायतकर्ता की संतुष्टि का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभाग से संबंधित जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। खलीलाबाद तहसील में कुल 92 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 10 मामलों का मौके पर निस्तारण कराया गया। वहीं, 08 प्रकरणों में स्थलीय निरीक्षण के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम भेजी गई। शेष प्रार्थना पत्र संबंधित विभागों को हस्तांतरित करते हुए तत्काल कार्रवाई कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने की। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि शिकायतों पर मौके पर जाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्ष को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए। राजस्व संबंधी मामलों में संबंधित राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामानुज कनौजिया, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, तहसीलदार खलीलाबाद अनुराग यादव सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में धनघटा तहसील में अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद, जमीन की पैमाइश, अतिक्रमण, वरासत तथा खतौनी में त्रुटियों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर जांच कराई जाए और दोनों पक्षों की बात सुनकर नियमानुसार निस्तारण किया जाए। धनघटा तहसील में कुल 34 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 10 मामलों का मौके पर निस्तारण कराया गया। शेष प्रार्थना पत्र संबंधित विभागों को भेजते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर तहसीलदार धनघटा प्रतिमा मौर्या सहित राजस्व निरीक्षक, तहसील के राजस्व कर्मचारी और लेखपाल मौजूद रहे। मेंहदावल तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने की। उन्होंने राजस्व सहित अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मामलों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार मामलों की स्थलीय जांच कराई जाए तथा दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मेंहदावल तहसील में कुल 49 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 04 मामलों का मौके पर निस्तारण कराया गया। वहीं, 03 प्रकरणों में स्थलीय निरीक्षण के लिए टीम भेजी गई। शेष प्रार्थना पत्र संबंधित विभागों को हस्तांतरित करते हुए शीघ्र गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मेंहदावल राजकुमार, तहसीलदार अल्पिका वर्मा सहित तहसील के अधिकारी, राजस्व कर्मचारी और लेखपाल मौजूद रहे।

काफलीगैर महाविद्यालय का शासनादेश जारी करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी

बागेश्वर (वेलकम इंडिया)। काफलीगैर महाविद्यालय का शासनादेश शीघ्र जारी करने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों का धरना शनिवार को सातवें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों, मातृशक्ति और युवाओं ने पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। वक्ताओं ने शासनादेश जारी करने में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। धरने की अध्यक्षता जगदीश चंद्र लोहनी ने की। धरने को क्षेत्र के दर्जनों लोगों का समर्थन मिल रहा है।सभी ने तहसील में जल्द महाविद्यालय खोले जाने की मांग की। लोगों ने कहा कि शासनादेश जल्द जारी नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। वही विधायक प्रतिनिधि भाष्कर दास ने बताया कि तहसील क्षेत्र में जल्द डिग्री कालेज खोलने को लेकर मुख्यमंत्री और शासन स्तर पर युद्धस्तर पर प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय जनता की मांग पर उच्च शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री जी द्वारा कॉलेज को स्वीकृति दे दी गई है।इसके लिए जल्द शासनादेश जारी होने की उम्मीद है। कहा कि सचिव स्तर से कॉलेज खोलने की फाइल को वित्त विभाग में अनुमोदन हेतु भेजा गया है। शीघ्र जरूरी मानकों को पूर्ण कर काफलीगैर में डिग्री कालेज खोलने की सैद्धान्तिक स्वीकृति और विभिन्न विषयों के प्राध्यापक और भवन निर्माण हेतु बजट आवंटित कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए इसके लिए लगातार प्रयासरत रहने की बात कही और सभी लोगों को जल्द कॉलेज निर्माण कराने का भरोसा दिया।वही धरने को पूर्व जिपं सदस्य चंदन रावत और प्रधान शेर सिंह रौतेला सुदर्शन रौतेला, हेमंत रौतेला, राजेंद्र सिंह रौतेला, संजय कुमार, होरा सिंह रौतेला, बहादुर राम, ललिता देवी, पुष्पा देवी, पूजा देवी, उमा देवी, जीवन सिंह रौतेला, लालित कांडपाल, हर्ष सिंह रौतेला, पूरन सिंह सैतेला, महेश लाल शाह, पूरन राम और खष्टी जोशी समेत दर्जनों क्षेत्रवासियों ने समर्थन दिया।

गोमती बुक फेयर में एसडीएम ने दी आगामी योजनाओं की जानकारी

गोमती उद्गम के कायाकल्प को मिलेगी रफ्तार, 12.26 करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट से बदलेंगे हालात

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे गोमती बुक फेयर में समाजसेवी दीपिका चतुर्वेदी ने कालीनगर के एसडीएम परमेश कुमार का इंटरव्यू लिया। गोमती नदी, गोमत ताल और उद्गम क्षेत्र से जुड़े मई-जून में किए गए कार्यों, बाढ़ तैयारियों और आगामी कायाकल्प परियोजनाओं को लेकर हुई बातचीत में प्रशासन की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की गई।एसडीएम ने बताया कि मई-जून में गोमती तटवर्ती गांवों में नालियों की सफाई, जल निकासी में बाधक अवरोध हटाने और तटबंधों की मरम्मत जैसे कार्य कराए गए। ग्राम पंचायत और नगर पंचायत स्तर पर श्रमदान व सफाई अभियान भी चलाए गए। मानसून से पहले जलभराव और कटाव की स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां की गईं।उन्होंने बताया कि जल संसाधन और लोक निर्माण विभाग के स्तर पर भी संयुक्त अभियान चलाकर मानसून पूर्व तैयारियों के साथ प्रदूषण के संभावित स्त्रोतों को चिन्हित किया गया। छोटे कार्य पंचायत और विभागीय बजट से, जबकि बड़े कार्य केंद्र व राज्य की योजनाओं के तहत कराए जाने की जानकारी दी गई।गोमती उद्गम क्षेत्र के लिए ₹12.26 करोड़ के प्रोजेक्ट को 18 सितंबर को प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी मिलने की जानकारी भी इंटरव्यू में सामने आई। परियोजना में सीवेज इंटरसेप्शन व ट्रीटमेंट, तालाबों का कायाकल्प, नियंत्रित एस्केप चैनल और तटबंधों के सुदृढ़ीकरण जैसे कार्य प्रस्तावित हैं। भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय स्वीकृतियां संबंधित विभागीय दिशा-निदेर्शों के अनुसार पूरी की जाएंगी।

अतिक्रमण और कूड़ा डंपिंग को लेकर भी मई-जून में कार्रवाई की गई। इसके लिए टीम गठित कर कई स्थानों से अवरोध हटाए गए और नियमों के उल्लंघन पर जुमार्ने की कार्रवाई की गई। स्कूलों और पंचायतों के माध्यम से पोस्टर प्रतियोगिता, पौधारोपण और सफाई अभियानों के जरिए जनभागीदारी बढ़ाने के प्रयास किए गए। गोमती बुक फेयर में हुआ यह इंटरव्यू गोमती के पर्यावरण, इतिहास और स्थानीय विरासत पर केंद्रित चचाओं के बीच खास रहा। कालीनगर क्षेत्र गोमती के उद्गम स्थल गोमत ताल और फुल्हार झील से सीधे जुड़ा होने के कारण यहां किए जा रहे संरक्षण कार्यों का विशेष महत्व है।

बाढ़ से निपटने की तैयारी का दावा

एसडीएम ने बताया कि गोमती तटवर्ती क्षेत्रों में नाव, चेतावनी व्यवस्था और राहत शिविरों की तैयारी रखी गई है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बचाव दल तैनात किए जाएंगे। हालिया घटनाओं को देखते हुए बचाव व्यवस्था और एसडीआरएफ के समन्वय पर भी जोर दिया गया। एसडीएम परमेश कुमार ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि गोमती की अविरलता और स्थानीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। मई-जून में की गई तैयारियों और अब मंजूर हुई परियोजना से आने वाले महीनों में गोमती उद्गम क्षेत्र में ठोस बदलाव की उम्मीद है।

मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों में मारपीट, दो महिलाएं घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे की इदरीश बैग बिहार कॉलोनी में मामूली कहासुनी को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट में दो महिलाएं घायल हो गईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। शनिवार को थाना क्षेत्र की इदरीश बैग बिहार कॉलोनी में किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। घटना में मोहल्ला निवासी नफीस की पत्नी भूरी और हसीन की पत्नी बुशरा घायल हो गईं।मारपीट के दौरान मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल फोन से बना लिया। बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप प्रति आरोप लगाकर एक दूसरे के विरुद्ध पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शारदा कटान रोकने को लगाए बोरियों के बंडल नदी किनारे मिले, ग्रामीणों में आक्रोश

राणा प्रताप नगर में बाढ़ खंड के राहत-बचाव कार्य पर उठे सवाल, दर्जनों ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम राणा प्रताप नगर में शारदा नदी के लगातार हो रहे भू-कटान को रोकने के लिए कराए जा रहे राहत-बचाव कार्य को लेकर शनिवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने बाढ़ खंड विभाग पर नदी कटान की रोकथाम के लिए लगाए गए बोरियों के बंडलों के नदी किनारे पड़े मिलने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग उठाई।ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले दिनों शारदा नदी में भीषण भू-कटान हो रहा था। कटान की रोकथाम के लिए बाढ़ खंड विभाग की ओर से खाली बोरियों में बालू और मिट्टी भरकर उन्हें रस्सियों के जाल में डालकर नदी किनारे लगाए जाने का कार्य कराया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि यह कार्य विभागीय अधिकारियों की देखरेख में कराया जा रहा था। मामला सामने आने के बाद शनिवार शुक्रवार शाम ग्राम राणा प्रताप नगर के कुछ युवक शारदा नदी किनारे पहुंचे। इस दौरान नदी का जलस्तर कम होने पर किनारे पर बोरियों के कई बंडल दिखाई दिए। इसकी जानकारी गांव में पहुंचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों के अनुसार, नदी किनारे पानी में कई बंडल पड़े मिले। वहीं कुछ बंडल पास के गन्ने के खेत से भी मिलने की बात सामने आई।\ को दर्जनों ग्रामीण शारदा नदी किनारे एकत्र हुए और बाढ़ खंड विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि भू-कटान रोकने के लिए लगाए गए बोरियों के बंडलों का इस तरह नदी किनारे पड़े मिलना राहत-बचाव कार्य की गुणवत्ता और निगरानी पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच कराने और यह पता लगाने की मांग की कि नदी किनारे लगाए गए बोरियों के बंडल पानी में कैसे पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में शारदा नदी लगातार कटान कर रही है। ऐसे में बचाव कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही से किसानों और ग्रामीणों की जमीन को खतरा बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय नहीं की गई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को मजबूर होंगे।

वृद्धाश्रम पहुंचे जिलाधिकारी-एसपी, बुजुर्गों का जाना हाल

फल, खाद्य सामग्री, साड़ी और स्टील की बोतलें बांटीं, नियमित स्वास्थ्य जांच के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने शनिवार को बरखेड़ा विकासखंड के ग्राम मचवाखेड़ा स्थित नेकी की दीवार संस्था द्वारा संचालित आवासीय वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों का हाल जाना। इस दौरान अधिकारियों ने आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए वृद्धजनों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं व सुविधाओं की जानकारी ली।वृद्धाश्रम उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग से सहायता प्राप्त है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आश्रम में साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधाओं, रहने, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं को देखा। सभागार में पहुंचकर उन्होंने वहां रह रहे बुजुर्गों से बातचीत की। उन्होंने बुजुर्गों से उनका नाम, स्वास्थ्य की स्थिति तथा भोजन, वस्त्र, दवाओं समेत उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।डीएम ने कहा कि आश्रम में रहने वाले किसी भी बुजुर्ग को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिला प्रशासन उनकी हरसंभव मदद और देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने वृद्धजनों को फल, खाद्य सामग्री, साड़ी और स्टील की बोतलें समेत अन्य सामग्री वितरित की। सामग्री पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी नजर आई। जिलाधिकारी ने आश्रम के विभिन्न कक्षों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बिस्तर पर लेटी बुजुर्ग महिला से मुलाकात कर स्वास्थ्य और हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने देखभाल करने वाले कर्मचारियों को निर्देश दिए कि बुजुर्गों की नियमित मेडिकल जांच कराई जाए और जरूरत के अनुसार दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए। साफ-सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने की भी हिदायत दी। जिलाधिकारी ने कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी सेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना सभी का नैतिक एवं शासकीय दायित्व है। प्रशासन का प्रयास है कि वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को बेहतर वातावरण और आवश्यक सुविधाएं लगातार मिलती रहें। कार्यक्रम के दौरान नेकी की दीवार संस्था के पदाधिकारी और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में दो गिरफ्तार

काफी समय से चल रहे थे वांछित, पुलिस ने पकड़ा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में वांछित चल रहे नामजद आरोपी और उसकी महिला साथी को हजारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को लखीमपुर खीरी के संपूर्णानगर क्षेत्र में एक क्लीनिक के पास से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। थाना हजारा पुलिस के अनुसार, मामले में थाना हजारा पर मुकदमा अपराध संख्या 19/2026 धारा 115(2)/108 बीएनएस के तहत दर्ज है। मुकदमे में नामजद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही थी।इसी दौरान 18 सितंबर की सुबह करीब 10:10 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित दोनों आरोपी थाना संपूर्णानगर क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए हजारा पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की। टीम संपूर्णानगर पहुंची और क्लीनिक के पास घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ और पहचान संबंधी कार्रवाई के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में आकाश मौर्य (26) पुत्र राजेश मौर्य निवासी बसई कॉलोनी, थाना संपूर्णानगर, जनपद लखीमपुर खीरी तथा फिजा अंसारी (25) पुत्री मो. अकरम निवासी सिंघाई खुर्द, हाल निवासी मदेसा ट्रेडर्स के पास, थाना संपूर्णानगर, जनपद लखीमपुर खीरी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक दोनों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है। गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी पूरनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अतुल चौधरी, हेड कांस्टेबल जाने आलम, कांस्टेबल आशीष चौहान तथा महिला कांस्टेबल शिवानी और सोनी शामिल रहीं।

24 घंटे की तलाश के बाद नहर में मिला गणेश विसर्जन के दौरान डूबे संगम का शव

वेलकम इंडिया संवाददाता

माधोटांडा/पीलीभीत। माधोटांडा कस्बे में श्री गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हरदोई नहर ब्रांच में डूबे 18 वर्षीय युवक संगम पुत्र त्रिवेणी सहाय का शव करीब 24 घंटे बाद बरामद कर लिया गया। शव घटनास्थल से करीब 20 कदम दूर नहर से मिला। शव बरामद होते ही परिजनों में कोहराम मच गया।बताया गया कि 18 सितंबर को वार्ड नंबर चार से गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकली थी। शाम करीब 4:10 बजे कलीनगर पुल के पास हरदोई नहर ब्रांच में प्रतिमा विसर्जन के बाद संगम अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में गिर गया। युवक के नहर में गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू कराया गया।हादसे के बाद स्थानीय पुलिस के साथ एसएसबी, एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम ने नहर में सघन तलाशी अभियान चलाया। रातभर तलाश के बावजूद युवक का कोई पता नहीं चल सका। करीब 24 घंटे तक चले लगातार अभियान के बाद गोताखोरों ने घटनास्थल से लगभग 20 कदम दूर नहर से संगम का शव बरामद कर लिया। शव मिलने की सूचना पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे के बाद माधोटांडा कस्बे में भी शोक का माहौल है।

बाढ़ का पानी उतरते ही स्वास्थ्य विभाग सक्रिय, लगा शिविर

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बांटीं निशुल्क दवाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में पानी उतरने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। शुक्रवार को शांतिनगर में स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण शिविर में पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी लेकर आवश्यक जांच और उपचार किया। जरूरत के अनुसार निशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भुवन चंद्र पंत के निर्देश पर आयोजित शिविर का नेतृत्व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरतपुर (मौरैनिया गांधीनगर के चिकित्सा प्रभारी शिवेंद्र सिंह ने किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुंचकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया।गौरतलब है कि पिछले दिनों शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से ट्रांस शारदा क्षेत्र के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए थे। जलभराव के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ था। अब अधिकांश स्थानों से पानी उतर चुका है, लेकिन कई जगह जमा पानी और गंदगी के चलते मौसमी बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को बाढ़ के बाद होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई रखने, दूषित पानी का सेवन न करने और आसपास जलभराव न होने देने की सलाह दी। बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने के लिए भी जागरूक किया गया। शिविरों के माध्यम से उपचार, आवश्यक दवाओं के वितरण के साथ बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता भी की जा रही है। इस दौरान 62 ग्रामीणों की जांच कर दवा दी गई। इस दौरान स्टाफ नर्स मेल मुकेश कुमार, वार्ड ब्वाय सुधीर, एंबुलेंस चालक सिकंदर, एएनएम सरिता सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

कच्ची सड़क पर जलभराव और कीचड़ से परेशान स्कूली बच्चे, वीडियो वायरल

कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला मोलानान में कच्ची सड़क पर जलभराव और कीचड़ की समस्या से स्थानीय लोगों और स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़ भरी सड़क से गुजरते हुए स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कस्बा निवासी तहरीम नामक व्यक्ति ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए बताया कि मोहल्ले में जलभराव की समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। कच्ची सड़क पर हो रहे कीचड़ से भी लोगों को परेशानी हो रही है। वीडियो में स्कूली बच्चे कीचड़ से होकर स्कूल जाते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। आसपास के लोगों का कहना है कि पालिका अध्यक्ष ने चुनाव से पूर्व नगर के विकास के लिए बड़े-बड़े वायदे किए थे मगर अब उन वादों को पूरा नहीं किया जा रहा है।मामले में पालिका अध्यक्ष नजमूल इस्लाम ने बताया कि सड़क निर्माण के साथ पानी की निकासी की व्यवस्था को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही जलभराव की समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

स्थानांतरण से भत्तों तक, आठ मांगों पर आर-पार, 22 सितंबर से अतिरिक्त कार्यभार नहीं संभालेंगे लेखपाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। वर्षों से लंबित मांगों के निस्तारण में हो रही देरी से नाराज उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने शासन के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ तहसील उपशाखा पूरनपुर ने तहसील अध्यक्ष शिशुपाल सिंह और तहसील मंत्री आकांक्षा राजपूत के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी पूरनपुर के माध्यम से मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन को आठ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भेजा। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों का समयबद्ध समाधान नहीं हुआ तो 22 सितंबर से अतिरिक्त कार्यभार का बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा।

संघ की प्रमुख मांगों में गृह मंडल से 400 से 800 किलोमीटर दूर तैनात करीब 2700 लेखपालों के लिए ऑनलाइन अंतर्मंडलीय स्थानांतरण पोर्टल दोबारा खोलना शामिल है। इसके अलावा चयन वर्ष 2025-26 की लंबित पदोन्नति सूची जारी करने तथा वर्ष 2024 में नियुक्त लेखपालों के प्रशिक्षण परीक्षा परिणाम और प्रमाणपत्र घोषित करने की मांग की गई है।लेखपालों ने स्टेशनरी भत्ता 500 रुपये, नियत यात्रा भत्ते के स्थान पर 1500 रुपये वाहन भत्ता और विशेष भत्ता बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग भी उठाई है। ग्राम पंचायत सचिवालयों में पर्याप्त इंटरनेट, बिजली और सुरक्षा व्यवस्था न होने का हवाला देते हुए संघ ने रोस्टर ड्यूटी के बहिष्कार की बात कही है। ज्ञापन में प्रारंभिक वेतनमान लेवल-5 यानी 2800 ग्रेड पे लागू करने, वेतन विसंगतियां दूर करने और लेखपाल पद को तकनीकी दर्जा देने की मांग की गई। शासकीय कार्यों के लिए लैपटॉप और मोबाइल उपलब्ध कराने तथा भूलेख कार्यालयों एवं अन्य पटलों से संबद्ध लेखपालों को मूल दायित्वों के लिए कार्यमुक्त करने की मांग भी शामिल है। संघ ने कहा कि 22 सितंबर से लेखपाल केवल अपने मूल हल्के का कार्य करेंगे। अतिरिक्त हल्के का बस्ता तहसील कार्यालय में जमा कराया जाएगा। इसके बाद ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी गई है। संघ के अनुसार आंदोलन से शासकीय कार्य और जनसेवा प्रभावित होने की जिम्मेदारी शासन व राजस्व परिषद की होगी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण

कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर पालिका परिषद के सभागार में शनिवार को स्वच्छता ही सेवा संकल्प अभियान के तहत मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने सफाई कर्मियों की स्वास्थ्य संबंधी जांच कर आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान पालिका के कई कर्मचारी मौजूद रहे।मेडिकल कैंप से पहले नगर पालिका के स्वास्थ्य लिपिक अमरेश कुमार ने सफाई कर्मियों के साथ बैठक कर स्वच्छता व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए अपने स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखें। सफाई कर्मियों को नगर में नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखने और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए। साथ ही लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। अभियान का उद्देश्य नगर को साफ-सुथरा रखने के साथ सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की देखभाल करना भी रहा। इस दौरान पाली का क्या अधिकार है और सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

20वें रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र, पीएम ने किया सम्बोधित

देशभर के 45 स्थानों पर आयोजित हुआ रोजगार मेला, लखनऊ में विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित 209 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर में आयोजित 20वें रोजगार मेले को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया गया। इसी क्रम में लखनऊ में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित 209 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। रोजगार मेले का आयोजन आयकर विभाग की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

नवनियुक्त युवाओं को संबोधित करते हुए कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि सरकारी नौकरी को केवल जीविका का साधन नहीं समझना चाहिए, बल्कि इसे देश की सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं को 'प्रधानमंत्री' के बजाय 'प्रधान सेवक' के रूप में देश की सेवा के लिए समर्पित बताया है। इसी सेवा भावना के साथ नवनियुक्त युवाओं को भी अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवा शक्ति को केंद्र में रखते हुए 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहलें शुरू की हैं। इन पहलों के माध्यम से रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत वर्ष 2015 से अब तक 1 करोड़ 64 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के साथ-साथ कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर भी सरकार का जोर है। उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि मार्च 2026 तक इस योजना के माध्यम से 39 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया जा चुका है। योजना के माध्यम से छोटे उद्यमियों और व्यवसायों को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद लखनऊ के कार्यक्रम स्थल पर कीर्ति वर्धन सिंह ने विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित 40 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। वहीं, लखनऊ में आयोजित रोजगार मेले के माध्यम से कुल 209 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। नवनियुक्त युवा आयकर विभाग, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) सहित केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में अपनी सेवाएं देंगे। रोजगार मेला भारत सरकार की प्रमुख पहलों में शामिल है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित नवनियुक्त कर्मचारियों को देशभर में आयोजित कार्यक्रमों में नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं।

इस पहल का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए अवसर प्रदान करना है। रोजगार मेले के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों में मानव संसाधन को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण जनसेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास किया जा रहा है।

15 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म, घर में घुसकर वारदात का आरोप

परिजनों के जागने पर आरोपी मौके से फरार, पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद/बुलंदशहर। थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में सो रही 15 वर्षीय नाबालिग से जबरन दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव का एक युवक रात में घर में घुस गया और बालिका को दूसरे कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बालिका की चीख-पुकार सुनकर परिजनों के जागने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर के साठा मोहल्ला निवासी 15 वर्षीय बालिका अपनी बुआ के घर गांव पसौली आई हुई थी। आरोप है कि बीती रात गांव निवासी नितिन जबरन घर में घुसा और सो रही बालिका को दबोचकर दूसरे कमरे में ले गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन जागे और आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह मौके से भाग निकला। इसके बाद पीड़िता अपनी बुआ के साथ लखावटी चौकी पहुंची और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी नितिन निवासी पसौली के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को लखावटी मोड़ से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी सुखबीर सिंह ने बताया कि नाबालिग को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

विवाहिता की गला घोंटकर मारने और तेल छिड़ककर जलाने की कोशिश का पति पर लगाया गंभीर आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अंधियार में एक विवाहिता के साथ दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि पति ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की, उसका गला घोंटने का प्रयास किया और फिर विवाहिता पर तेल डालकर आग लगाने की कोशिश की। इसके अलावा पीड़िता ने गले पर ब्लेड से हमला करने का भी गंभीर आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव से एक बहुत ही गंभीर मामला सामने आया है जहाँ एक विवाहिता ने अपने पति पर गला घोटकर जान से मारने और तेल छिड़ककर जलाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने किसी तरह आरोपी पति के चंगुल से छूटकर अपनी जान बचाई और घर से बाहर निकलकर तुरंत पुलिस की आपातकालीन सेवा (112 नंबर) पर सूचना दी। घटना की सूचना मिलने पर पीड़िता के परिजन पहुंचे और उसे लेकर कोतवाली पहुंचे। जहां पीड़िता के भाई ने कोतवाली में लिखित तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि उसका पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। इस बार विवाद बढ़ने पर उसने जान से मारने की नीयत से उसका गला घोंटा, ब्लेड से गले पर वार किया और तेल डालकर जलाने का प्रयास किया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की ओर से तहरीर प्राप्त हो चुकी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण (मेडिकल) करा दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आरोपी के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नरसेना पुलिस का वारंटियों पर शिकंजा, पांच गैरजमानती वारंटी गिरफ्तार

बुगरासी। थाना नरसेना पुलिस ने अभियान चलाकर अलग-अलग मामलों में वांछित पांच गैरजमानती वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई एसएसपी बुलंदशहर एवं सीओ स्याना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजपाल सिंह पुत्र रिसाल सिंह निवासी खंदोई, शहजाद पुत्र सत्तार निवासी दौलतपुर कलां, राकेश पुत्र कन्हैया निवासी क्रियावली, राजवीर पुत्र डूंगर तथा देवेंद्र पुत्र हरपाल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक सभी आरोपी अलग-अलग मामलों में वांछित थे और उनके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी थे। पुलिस सभी आरोपियों को संबंधित न्यायालय में पेश कर रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी नरसेना नितिन जावला, उपनिरीक्षक सोमेश कुमार, उमेश कुमार, संतोष रावत तथा कांस्टेबल अनेक सिंह, शकील अहमद और हेमंत सिंह शामिल रहे।

सारनाथ में आज सजेगा 'तीजोत्सव एवं संस्कृति की धरोहर 2026'

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और नारी शक्ति को समर्पित 'तीजोत्सव एवं संस्कृति की धरोहर 2026' का आयोजन रविवार, 20 सितंबर को सारनाथ स्थित रोज गार्डन में किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन श्री शांति भोला सेवा न्यास एवं शिवशक्ति परिवार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस सांस्कृतिक उत्सव का उद्देश्य भारतीय पारंपरिक पर्वों और लोक परंपराओं की मूल भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। इसके साथ ही महिलाओं की सामाजिक सहभागिता, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह में काशी और पूर्वांचल की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में कजरी गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण रहेंगी। लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय परंपराओं और लोक संस्कृति को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। आयोजकों ने बताया कि इकोजेन स्मार्ट सोलर के सहयोग से महिलाओं को चूल्हों का वितरण भी किया जाएगा।

रानीमऊ चौराहे पर गूंजा समाजवादी नारों का जोश, जय सिंह राणा का हुआ भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। समाजवादी पार्टी अयोध्या के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री जय सिंह राणा के रानीमऊ चौराहे पहुंचने पर शनिवार को कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने भव्य स्वागत किया। पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जुटे पार्टी कार्यकर्ताओं और युवाओं ने फूल-मालाओं से जय सिंह राणा का स्वागत कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

रानीमऊ चौराहा उस समय समाजवादी कार्यकर्ताओं के उत्साह से गुलजार नजर आया, जब बड़ी संख्या में युवा और पार्टी समर्थक स्वागत के लिए पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने जोश के साथ नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की एकजुटता और युवाओं का उत्साह कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां ने जय सिंह राणा को जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने की बात कही। वहीं, जय सिंह राणा ने स्वागत के लिए पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं और युवाओं के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन में कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर रेहान खां, पिंटू वर्मा, गजाली मियां, शाहिद हुसैन रूमी,शहाब अख्तर एडवोकेट, मंजर अशरफ, फरहान अहमद, इदरीश खा, दानिश हुसैन नाजिश हुसैन, आबिद हुसैन सुरजीत चौहान, खालिद हुसैन खान इकबाल उस्मानी, अतीक खा, विंध्याचल सिंह, श्रेया वर्मा, अमरनाथ यादव,मो अबूबकर, फतेह खान,सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

दहेज में स्कॉर्पियो की मांग, विवाहिता के उत्पीड़न का आरोप; बिना तलाक दूसरी शादी की शिकायत

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव खैलिया निवासी एक महिला ने अपनी बेटी के ससुराल पक्ष पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न, मारपीट और प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष द्वारा काले रंग की स्कॉर्पियो की मांग की जा रही थी। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता के साथ कथित रूप से मारपीट की गई और उसके जेवरात भी अपने पास रख लिए गए। मामले को लेकर पीड़िता के परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, गांव खैलिया निवासी गुलिस्ता की शादी 22 मई 2024 को ककोड़ थाना क्षेत्र के गांव झांझर निवासी फिरोज पुत्र अलाउद्दीन के साथ हुई थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति फिरोज, सास सबजाना, जेठ सलाउद्दीन, ननद मुस्कान और चचिया ससुर फकरू ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि ससुराल पक्ष की ओर से काले रंग की स्कॉर्पियो की मांग की जाती थी। मांग पूरी न होने पर विवाहिता को कथित रूप से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर कई बार गुलिस्ता के साथ मारपीट भी की गई। इसी दौरान उसके जेवरात भी ले लिए गए। लगातार उत्पीड़न से परेशान होकर विवाहिता अपने मायके आकर रहने लगी। परिजनों के अनुसार, मायके में रहने के दौरान गुलिस्ता ने एक बच्चे को जन्म दिया। आरोप है कि इसके बाद भी पति की ओर से पत्नी और बच्चे को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिससे परिवार के लोगों में भय का माहौल बना रहा।

राशन की दुकानों पर एसडीएम ने किया औचक भौतिक सत्यापन, डीलरों में मची भारी हलचल

एसडीएम को हजरतपुर राशन डीलर के स्टॉक में मिली मामूली कमी, सुधार की दी चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। बुलंदशहर जिलाधिकारी कुमार हर्ष के निर्देश पर शिकारपुर एसडीएम प्रतीक्षा पांडे ने तहसील क्षेत्र में राशन की दुकानों पर औचक भौतिक सत्यापन किया। एसडीएम के अचानक पहुंचने से राशन डीलरों में हलचल मच गई। उन्होंने गांव दरगाहपुर, बांसौटी, बरौली, नगला लुप्तअलीपुर, हजरतपुर जलालपुर कटोरा स्थित राशन की दुकानों पर पहुंचकर स्टॉक और वितरण व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया गया। एसडीएम को जांच के दौरान अधिकांश दुकानों पर राशन का स्टॉक नियमानुसार मिला। वहीं, हजरतपुर के राशन डीलर के यहां स्टॉक में मामूली कमी पाई गई। इस पर एसडीएम ने डीलर को व्यवस्था में सुधार करने की सख्त चेतावनी दी है। एसडीएम प्रतीक्षा पांडे ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर राशन की दुकानों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डोमरी के किसानों की वैधानिक लड़ाई निशुल्क लड़ेगी किसान संघर्ष समिति: विनय राय

किसानों की जमीन पर कब्जे का आरोप लगाते हुए बोले विनय राय-सभी न्यायिक मंचों पर किसानों के पक्ष में लड़ी जाएगी लड़ाई, वाराणसी में संगठित किसान आंदोलन की तैयारी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। डोमरी क्षेत्र के किसानों की जमीन से जुड़े विवाद को लेकर किसान संघर्ष समिति ने किसानों के साथ खड़े होने और उनकी वैधानिक लड़ाई निशुल्क लड़ने का ऐलान किया है। डोमरी में किसानों की आवश्यक बैठक सर्व सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम धीरज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में किसानों ने जमीन से जुड़े राजस्व अभिलेख, प्रशासनिक कार्रवाई और न्यायालय में चल रहे मुकदमे को लेकर अपनी समस्याएं रखीं। बैठक में किसानों की ओर से आरोप लगाया गया कि जमींदार ईश्वरी नारायण सिंह से खरीदी गई जमीन पर किसानों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज थे, लेकिन बाद में तत्कालीन उपजिलाधिकारी सदर, वाराणसी के स्तर से दबाव में नाम काटे जाने की कार्रवाई की गई। किसानों का आरोप है कि इसके बाद पुलिस बल के माध्यम से उनकी खेती की जमीन पर कब्जा कर लिया गया और तीन पीढ़ियों से जमीन पर निर्भर परिवारों को बेदखल कर दिया गया। किसानों ने कहा कि इस मामले को लेकर न्यायालय में मुकदमा लंबित है, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से सिविल न्यायालय में अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया जा रहा है। इससे प्रभावित किसान परेशान हैं और उन्हें अपने अधिकारों को लेकर लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है। बैठक में किसानों की ओर से कहा गया कि प्रशासनिक कब्जे से पहले ही न्यायालय में मुकदमा दाखिल किया गया था। किसानों के अनुसार, न्यायालय के आदेश पर कराई गई कोर्ट अमीन की जांच में जमीन पर किसानों का कब्जा दर्ज किया गया था। किसानों ने आरोप लगाया कि उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों को नजरअंदाज करते हुए प्रशासन की ओर से जमीन को लेकर कार्रवाई की जा रही है। किसानों ने कहा कि उनका पक्ष न्यायालय में लंबित है और वे चाहते हैं कि मामले का फैसला कानूनी प्रक्रिया के तहत हो। बैठक में किसानों ने जमीन संबंधी सभी दस्तावेजों और न्यायालयी रिकॉर्ड के आधार पर अपनी लड़ाई आगे बढ़ाने की बात कही।

संयुक्त किसान संघर्ष समिति के मुख्य संरक्षक और किसान नेता विनय शंकर राय ह्यमुन्नाह्न ने कहा कि डोमरी के किसानों की जमीन से जुड़े मामले में समिति किसानों को कानूनी सहयोग उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि वाराणसी की अदालत से लेकर हाईकोर्ट और आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली स्थित सुप्रीम कोर्ट तक किसानों की वैधानिक लड़ाई निशुल्क लड़ी जाएगी। विनय राय ने बैठक में किसानों को भरोसा दिलाया कि जमीन के अधिकार से जुड़े मामले में समिति उनके साथ खड़ी रहेगी और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से मामला आगे बढ़ाया जाएगा। विनय राय ने आरोप लगाया कि सत्ता के प्रभाव का इस्तेमाल कर किसानों की पुश्तैनी और खेती योग्य जमीन को कब्जाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के परिवार कई पीढ़ियों से जमीन पर निर्भर रहे हैं, उन्हें उनकी जमीन से बेदखल किए जाने से परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने इसी क्षेत्र में किसानों से खरीदी गई जमीन पर अन्य धार्मिक संस्थानों के लंबे समय से बने रहने का हवाला देते हुए प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए। हालांकि, ये आरोप बैठक में किसान नेता की ओर से लगाए गए हैं और संबंधित प्रशासनिक पक्ष का पक्ष इस बैठक की जानकारी में शामिल नहीं है। किसान नेता विनय शंकर राय ने कहा कि किसानों के अधिकारों और जमीन से जुड़े मामलों को लेकर वाराणसी में संगठित किसान आंदोलन खड़ा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन को व्यापक स्तर पर किसानों से जोड़ने और उनकी समस्याओं को मजबूती से उठाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की लड़ाई केवल एक गांव या एक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन और आजीविका से जुड़े अधिकारों का सवाल है। समिति किसानों की समस्याओं को कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से संबंधित मंचों तक पहुंचाने का प्रयास करेगी। बैठक में डोमरी और आसपास के क्षेत्र से कई किसान शामिल हुए। किसानों ने जमीन संबंधी दस्तावेजों, राजस्व अभिलेखों और न्यायालय में चल रही कार्रवाई पर चर्चा की तथा आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। बैठक में विंद्रा पटेल, दीपक पटेल, बाबूलाल पटेल, राजेश पटेल, धर्मेंद्र सिंह, चंद्रशेखर, रामजनम सिंह, उमाशंकर और विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। बैठक के अंत में किसानों ने जमीन संबंधी मामले में कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करने की बात कही।

पिस्टल की बट से युवक का सिर फोड़ा, छह नामजद आरोपी फरार

कबड्डी टूर्नामेंट देखने पहुंचे युवक को घेरकर पीटा, बीच-बचाव करने वालों से भी मारपीट का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद (बुलंदशहर)। थाना क्षेत्र के गांव दलपतपुर मुक्तेश्वरा में चल रहे कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान देर रात एक युवक को आधा दर्जन युवकों ने घेरकर मारपीट कर दी। आरोप है कि हमलावरों में शामिल एक युवक ने पिस्टल/तमंचे की बट से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

गांव राजगढ़ी निवासी रोहित पुत्र जयवीर सिंह रात करीब तीन बजे दलपतपुर मुक्तेश्वरा में चल रहे कबड्डी टूर्नामेंट को देखने गया था। इसी दौरान राजगढ़ी के ही आधा दर्जन युवकों ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि एक युवक ने तमंचे की बट से रोहित के सिर पर वार कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों के साथ भी मारपीट की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी, लेकिन सभी आरोपी फरार मिले। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में 19 सितंबर 2026 को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतु 'आरंभ 2 के 26' फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एम.एल. शर्मा, आईपीएस ,पूर्व विशेष निदेशक, सी बी आई तथा विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल राघवेंद्र सिंह यादव, इंडियन आर्मी एवं एलुमनी, आरकेजीआई टी उपस्थित रहे।एस ए सी चेयरमैन आलोक त्यागी ने स्वागत संबोधन दिया। वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी.के. चौहान, निदेशक डॉ. बी.सी. शर्मा, डॉ. आर.के. यादव, डीन अकादमिक, डॉ. पुनीत चंद्र श्रीवास्तव, डीन एवं डॉ. रामेन्द्र सिंह, डीन एक्रेडिटेशन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर एच.जी. गर्ग ने विद्यार्थियों को संस्थान के नियमों, अनुशासन एवं आवश्यक दिशा-निदेर्शों से अवगत कराया। फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डिसिप्लिन के पर्यवेक्षण में फैकल्टी एंड स्टूडेंट्स डिसिप्लिन कमेटी ने भी कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को 51,000, 11,000 एवं 5,100 के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। बी.टेक., एमबीए एवं बी.फार्मा के विद्यार्थियों ने समूह एवं एकल नृत्य, गायन, डुएट डांस और रैम्प वॉक सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 'फ्रेशर ' एवं 'सुफ्रेशर' का चयन रहा। फ्रेशर - मनीष कुमार गुप्ता, बी.टेक. सीएसई तथा सुश्री फ्रेशर - ख्याति शर्मा, बी.टेक. एआइएमएल चुने गए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन समिति की सुश्री प्रिया शर्मा, डॉ. नीना शर्मा, विकास त्यागी,वैभव शर्मा, सुश्री लकी गुप्ता, मानस त्रिपाठी, डॉ. ऋतु शर्मा एवं सुश्री श्रुतिका शर्मा का विशेष योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापन एवं पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। 'आरंभ 2 के 26' नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए उत्साह और उमंग से भरी शैक्षणिक यात्रा का यादगार शुभारंभ रहा।

सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र में सैनी समाज की हुई महत्वपूर्ण बैठक

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर किया गया विचार-विमर्श

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के जानी खुर्द में सैनी शिव मंदिर के सामने महेंद्र सिंह सैनी के आवास पर सैनी समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज की एकजुटता, संगठन की मजबूती एवं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव एवं सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र से जुड़े रणवीर दहिया रहे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के आदर्शों एवं विचारों पर चलने का संकल्प दिलाया। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश में एनडीए की तीसरी बार सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। रालोद नेता रवि भारत चिकारा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल सदैव किसानों, मजदूरों एवं समाज के सभी वर्गों के हितों और अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहा है और आगे भी मजबूती से उनकी आवाज उठाता रहेगा। बैठक की अध्यक्षता राज्यपाल सैनी ने की तथा संचालन दिनेश पाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महीपाल सैनी, कालूराम सैनी, राजवीर सैनी, सनेर सैनी, ओमकार सैनी, राज कुमार सैनी, गोपाल सैनी, दीपक सैनी, रामपाल सैनी, मोहित सैनी, जय भगवान सैनी, सूरन पाल सैनी, लालू सैनी, धर्मवीर सैनी, सोमपाल सैनी, टीटू सैनी, सारित सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग एवं समाज के साथी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई 99 शिकायतों में से सिर्फ सात का निस्तारण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एडीएम ज्योति मौर्य की अध्यक्षता में तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस मौके पर एडीएम ज्योति मौर्य, एसडीएम कोमल एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने जन समस्याएं सुनी। इस दौरान 99 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें से मौके पर सात शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।संपूर्ण समाधान दिवस पर पुलिस विभाग की 22, राजस्व विभाग की 53, अन्य 24 समस्याएं आई जिनमें से सात समस्याओं का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए। उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि जन समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निराकरण करें जो अधिकारी जन समस्याओं के निराकरण में लापरवाही बरतेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान तहसीलदार रजत सिंह, नायब तहसीलदार मुकेश शर्मा, नायब तहसीलदार प्रियंका शर्मा सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

डॉ. के.एन.मोदी इंस्टीट्यूट में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी एंड रिसर्च, डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सेंटर फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट और गिन्नी देवी मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए भव्य फ्रेशर्स पार्टी 2026 का आयोजन किया गया।

इस श्रृंखला के अंतर्गत डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में 'ग्लिट्ज एंड ग्लैम' तथा सेंटर फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट में 'रेट्रो फिएस्टा', डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 'अभ्युदय' और गिरी देवी मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में 'आरम्भ' नाम से फ्रेशर्स पार्टी 2026 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, कविता, रैंप वॉक एवं विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता करते हुए इन आयोजनों को यादगार बना दिया। इस अवसर पर फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) दीपांकर शर्मा एवम् डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित तीनों संस्थानों के निदेशकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर रस्तोगी, डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक प्रो. विजय शर्मा, सी.एम.डी. के निदेशक प्रो. (डॉ.) रविंदर आर्य, और गिरी देवी मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की प्रधानाचार्या प्रो. (डॉ.) एकता भारद्वाज ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनको उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में फाउंडेशन के रजिस्ट्रार श्री यू. एन. मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन भी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मिस्टर फ्रेशर एवं मिस फ्रेशर का चयन रहा। विभिन्न चरणों में विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, प्रतिभा एवं मंच प्रदर्शन के आधार पर तीनों संस्थानों में मिस्टर फ्रेशर एवं मिस फ्रेशर का चयन किया गया। विजेताओं एवं विशिष्ट प्रतिभा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन आयोजनों को डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रो. (डॉ.) डी. के. मोदी का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनके शुभाशीर्वाद ने विद्यार्थियों एवं संस्थान के समस्त सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

रंगों में सजा 'मेरे सपनों का भारत', 1.37 लाख विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों ने चित्रों के जरिए देश के विकास, उपलब्धियों और भविष्य के भारत की अपनी कल्पना को जीवंत किया। प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा विभाग के 1,255 विद्यालयों के 74,480 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 422 विद्यालयों के 63,075 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने डिजिटल भारत, स्वच्छ भारत, रैपिड रेल, आयुष्मान भारत, हर घर जल, चंद्रयान, जी-20, ब्रिक्स, विकसित भारत, हर घर तिरंगा और राम मंदिर समेत विभिन्न विषयों पर चित्र बनाए। प्रत्येक विद्यालय में तीन उत्कृष्ट चित्रों का चयन कर विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। चयनित चित्रों की 24 सितंबर को विद्यालय स्तर पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने विद्यालयों का निरीक्षण भी किया।

स्कूलों की सुरक्षा के लिए शिक्षकों को मिला कवच, विद्यालयी सुरक्षा से लेकर आपदा प्रबंधन तक दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), असालत नगर के तत्वावधान में माध्यमिक विद्यालयों के सहायक अध्यापकों के लिए तीन दिवसीय 'कवच' प्रशिक्षण मॉड्यूल के अंतर्गत सुरक्षा एवं संरक्षा शिक्षक प्रशिक्षण 2026-27 आयोजित किया गया। 16 से 19 सितंबर तक चले प्रशिक्षण में जिले के 80 शिक्षकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को विद्यालय और विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़ी परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालयी सुरक्षा, विद्यार्थियों की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, प्राथमिक उपचार तथा सुरक्षित एवं सकारात्मक शैक्षिक वातावरण के निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। शिक्षकों को केवल सैद्धांतिक जानकारी देने के बजाय कई विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी कराया गया, ताकि आपात स्थिति में वह स्वयं सुरक्षित रहते हुए विद्यार्थियों की भी मदद कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान साइबर टीम और यातायात पुलिस के विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। शिक्षकों को साइबर अपराध से बचाव, विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करने तथा सड़क पर सुरक्षित आवागमन के नियमों की जानकारी दी गई।

सामूहिक विवाह योजना में आवेदन की अंतिम तारीख 30 सितंबर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित सामूहिक विवाह योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया चल रही है। योजना के तहत पात्र परिवारों के विवाह सामूहिक रूप से कराए जाएंगे। योजना का लाभ लेने के इच्छुक परिवार 30 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक विवाह पर कुल एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

योजना के तहत 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में भेजे जाएंगे। इसके अलावा 25 हजार रुपये कन्या के वस्त्र और आभूषण आदि पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 15 हजार रुपये विवाह आयोजन की व्यवस्था पर खर्च होंगे। इस तरह सरकार की ओर से विवाह समारोह के साथ नवविवाहित जोड़े को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से जरूरतमंद परिवारों को विवाह के खर्च में सहायता उपलब्ध कराना है। पात्र परिवार निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। विभाग की ओर से प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद पात्र लाभार्थियों को सामूहिक विवाह योजना में शामिल किया जाएगा। विभाग ने इच्छुक परिवारों से अपील की है कि वे 30 सितंबर की अंतिम तारीख से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सके।

आरकेजी आईटी एण्ड मैनेजमेंट में फ्रेशर पार्टी का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजकुमार गोयल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट 'अरूणिमा 2026' के रूप में नवप्रवेशित छात्र एवं छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम वर्ष के छात्र एवं छात्राओं ने सक्रिय एवं सकारात्मक रूप से भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में फ्रेशर्स द्वारा नृत्य, गायन, रैम्प वॉक तथा अन्य गतिविधियों में मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्घाटन आर0के0जी0 ग्रुप के चेयरमैन दिनेश गोयल, वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल जी, वाइस चेयर वूमन श्रीमती आंचल गोयल, एडवाइजर डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद, डायरेक्टर डॉ0 राकेश गोयल, डीन एकेडमिक डॉ0 मनोरमा शर्मा, प्रॉक्टर डॉ0 अरूण कुमार द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। संस्थान के डायरेक्टर डॉ0 राकेश गोयल ने छात्र एवं छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मिस्टर फ्रेशर योगेश शर्मा और मिस फ्रेशर श्रद्धा शर्मा रहे। मिस्टर परफेक्ट गौरव सिंह एवं मिस परफेक्ट यशस्वी रहे। मिस्टर कांफिडेंस आजस्वी भारद्वाज एवं मिस कांफिडेंस गरिमा रहे। मिस्टर स्पॉटलाइट संस्कृति एवं मिस स्पॉटलाइट कृष्णा रहे। मिस्टर फैषन आइकॉन टीना एवं मिस आइकॉन माही प्रताप शर्मा रहे। कार्यक्रम का समापन डीन एकेडमिक डॉ0 मनोरमा शर्मा ने सभी को हार्दिक बधाई व धन्यवाद देकर किया तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ0 आभा वत्स जी एवं खुशबू पाण्डे ने किया। इस संगीतमय कार्यक्रम में सुरूचिपूर्ण भोजन की व्यवस्था ने कार्यक्रम को सम्पूर्णता प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती निधि गर्ग,संदीप सिंह तथा अन्य फैकल्टी एवं स्टॉफ आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्थान के चेयरमैन दिनेश गोयल एवं वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल जी ने सभी को बधाई दी।

28 वर्षीय महिला का जटिल किडनी प्रत्यारोपण सफल

पति ने दान की किडनी, प्रत्यारोपण से पहले तीन बार प्लाज्माफेरेसिस और आईवीआईजी से की गई विशेष तैयारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद/दिल्ली-एनसीआर। यशोदा मेडिसिटी के चिकित्सकों ने एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम से पीड़ित 28 वर्षीय महिला का हाई रिस्क किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर नई उम्मीद जगाई है। मरीज में एक तरफ रक्त के थक्के बनने का गंभीर खतरा था तो दूसरी ओर पहले हुए संवेदीकरण के कारण दाता-विशिष्ट एंटीबॉडी की चुनौती भी मौजूद थी। ऐसे जटिल मामले में चिकित्सकों की बहुविषयक टीम ने प्रत्यारोपण से पहले विशेष तैयारी और प्रत्यारोपण के दौरान बेहद सावधानी बरतते हुए प्रक्रिया को सफल बनाया। महिला के पति ने उन्हें रक्त समूह के अनुरूप अपनी किडनी दान की। मरीज श्रीमती मोरीफत राशिद को करीब डेढ़ वर्ष पहले प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस के कारण एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम होने का पता चला था। इसके बाद वह लंबे समय से गुर्दे की बीमारी से जूझ रही थीं।

रक्त में थक्के बनने की अधिक संभावना के कारण उन्हें वारफेरिन दवा दी जा रही थी। इसके अलावा तीन बार गर्भपात और कई बार रक्त चढ़ाए जाने का इतिहास होने के कारण शरीर में दाता-विशिष्ट एंटीबॉडी बनने का जोखिम भी बढ़ गया था। इन सभी परिस्थितियों ने प्रत्यारोपण को सामान्य मामलों की तुलना में काफी चुनौतीपूर्ण बना दिया। मरीज के उपचार के लिए यशोदा मेडिसिटी की बहुविषयक टीम ने पहले ही दोनों प्रमुख जोखिमों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत उपचार योजना तैयार की। दाता-विशिष्ट एंटीबॉडी के खतरे को कम करने के लिए प्रत्यारोपण से पहले प्लाज्माफेरेसिस के तीन सत्र किए गए। इसके साथ ही आईवीआईजी उपचार भी दिया गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य शरीर में मौजूद हानिकारक एंटीबॉडी के प्रभाव को कम करना और प्रत्यारोपित किडनी के प्रति प्रतिरक्षा संबंधी जटिलताओं की आशंका को नियंत्रित करना था। रक्त के थक्के बनने के खतरे को देखते हुए प्रत्यारोपण से पांच दिन पहले नियमित वारफेरिन बंद कर दी गई। इसके स्थान पर हेपरिन के माध्यम से रक्त को पतला रखने की व्यवस्था की गई। चिकित्सकों ने ऑपरेशन के दौरान और उसके बाद भी रक्त के थक्के बनने तथा प्रत्यारोपित किडनी में रक्त प्रवाह पर लगातार नजर रखी। यूरोलॉजी, यूरो-ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक्स एवं गुर्दा प्रत्यारोपण के वरिष्ठ निदेशक डॉ. वैभव सक्सेना ने बताया कि मरीज में रक्त के थक्के बनने का खतरा अधिक होने के कारण मामला तकनीकी रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण था। प्रत्यारोपित किडनी में पर्याप्त रक्त प्रवाह बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण था।

यूपी स्टेट मास्टर्स बैडमिंटन टूनार्मेंट में विकास मलिक ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद में आयोजित तीन दिवसीय यूपी स्टेट मास्टर्स बैडमिंटन टूनार्मेंट में मोदीनगर की तेल मिल गेट स्थित कृष्णपुरा कॉलोनी विकास मलिक उर्फ सन्नी मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेन्स सिंगल्स में दूसरा स्थान हासिल कर सिल्वर मेडल जीता। इस अवसर पर विधायक डा० मंजू शिवाच द्वारा विकास मलिक को सम्मानित किया गया तथा कहा कि यह पल गाजियाबाद के वासियों के लिए गर्व एवं सम्मान की बात है। जिससे सभी नवयुवकों को खेलो में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इस अवसर पर विकास मलिक को बधाई देने वालो में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली एवं मोदी इंडस्ट्रीज के सीइओ एनपी बंसल, वेद पाल सिंह मलिक (उपाध्यक्ष), राहुल त्यागी, डी०डी० कौशिक, नवल किशोर गुप्ता, सुरेश शर्मा आदि शामिल है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को लेकर भाजपा सक्रिय, पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रवास और स्वागत कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को कवि नगर स्थित जानकी भवन में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की।

प्रदेश महामंत्री एवं क्षेत्रीय प्रभारी राम प्रताप चौहान विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम और प्रस्तावित संगठनात्मक बैठकों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों और संगठनात्मक सहभागिता को लेकर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पश्चिम प्रवास को लेकर संगठन के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने कार्यकताओं से सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल, विधायक संजीव शर्मा, महापौर सुनीता दयाल समेत महानगर पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंची 180 फरियादें, 14 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। सदर, लोनी और मोदीनगर तहसील में फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। तीनों तहसीलों में कुल 180 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 14 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

सदर तहसील में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां 54 शिकायतें प्राप्त हुईं और सात का मौके पर निस्तारण किया गया। लोनी तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में 30 शिकायतें आईं, जिनमें चार का समाधान मौके पर हुआ।

मोदीनगर तहसील में एडीएम प्रशासन ज्योति मौर्या की अध्यक्षता और एसडीएम कोमल पंवार की उपस्थिति में 96 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शेष शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

Swiggy पर फर्जी रेस्टोरेंट बनाकर 30 लाख की साइबर ठगी, B.Com पास युवक गिरफ्तार

52 क्रेडिट कार्ड की डिटेल से ग्राहकों को बनाया निशाना, चार मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म Swiggy पर फर्जी रेस्टोरेंट बनाकर करीब 30 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने B.Com पास एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी रेस्टोरेंट के जरिए ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड से भुगतान कराता था और बाद में फर्जी ऑर्डर व डिलीवरी दिखाकर रकम अपने बैंक खातों में ट्रांसफर कर लेता था।

जांच में सामने आया कि आरोपी के पास एक्सिस बैंक के 52 क्रेडिट कार्ड की डिटेल थी। पुलिस के मुताबिक वह ग्राहकों से OTP हासिल कर कार्ड से भुगतान कराता और ऑनलाइन सिस्टम में फर्जी ऑर्डर दर्ज कर रकम अपने खातों में स्थानांतरित कर देता था। आरोपी के कब्जे से चार मोबाइल फोन, एक टैबलेट और एक लैपटॉप बरामद किया गया है।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर ठगी से जुड़े अन्य लोगों, बैंक खातों और लेनदेन की जानकारी जुटा रही है। साथ ही फर्जी रेस्टोरेंट और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए की गई साइबर ठगी की अन्य कड़ियों की भी जांच की जा रही है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी पीलीभीत से गिरफ्तार

गर्भपात कराने और मारपीट का भी आरोप, क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने दबोचा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, बिना सहमति दवा देकर गर्भपात कराने और मारपीट के मामले में वांछित आरोपी को पीलीभीत से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर को एक महिला ने थाने में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि आरोपी अनिल कुमार उसके कमरे पर आया और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी सहमति के बिना दवा देकर गर्भपात कराया। शादी की बात कहने पर आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट भी की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 69, 89, 115(2) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने महिला के बयान, मेडिकल रिपोर्ट समेत अन्य साक्ष्य जुटाए। जांच में आरोपी की संलिप्तता सामने आने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अनिल कुमार (31) निवासी ग्राम सौंदा, थाना दियोरिया कला, पीलीभीत को बीसलपुर थाना क्षेत्र के चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इंदिरापुरम में जल्द खुलेगा 'संस्कृत दर्शन पार्क', 14 करोड़ से साकार हो रही ज्ञान और संस्कृति की अनूठी दुनिया

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा और प्राचीन ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) इंदिरापुरम में 'संस्कृत दर्शन पार्क' विकसित कर रहा है। करीब 14 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह पार्क अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। जीडीए अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्यों का लगातार निरीक्षण कर गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की जा रही है।

पार्क में वेद, उपनिषद, महाकाव्य, भारतीय दर्शन और संस्कृत साहित्य से जुड़ी विषय-वस्तु को आकर्षक एवं आधुनिक तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। थीम आधारित संरचनाओं के अलावा संस्कृत के श्लोक-सूक्तियां, आकर्षक लैंडस्केपिंग, फाउंटेन, जल संरचनाएं, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और जनसुविधाएं विकसित की जा रही हैं। जीडीए के मुताबिक, पार्क को केवल मनोरंजन स्थल नहीं बल्कि ज्ञान, संस्कृति, प्रकृति और आधुनिकता के संगम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति रुचि बढ़ाना है। शेष कार्यों को जल्द पूरा कराने पर जोर है और अक्टूबर में पार्क आमजन के लिए खोले जाने की संभावना है।

गणेश विसर्जन को लेकर पुलिस ने कसी कमर, डीसीपी ग्रामीण ने गंगनहर घाटों का किया निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गणेश चतुर्थी की मूर्ति विसर्जन यात्रा को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कर दी है। शनिवार को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने थाना मुरादनगर क्षेत्र में गंगनहर के घाटों और विसर्जन यात्रा मार्गों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विसर्जन स्थलों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और गोताखोरों की तैनाती का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रखने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

डीसीपी ग्रामीण ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ जिम्मेदारी निभाने तथा भीड़ और यातायात व्यवस्था पर लगातार नजर रखने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विसर्जन यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। पुलिस का उद्देश्य गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराना है।

वायरल बुंदेली भजन के गायक सुनील लोधी का नगर निगम में सम्मान, गुनगुनाया लोकप्रिय गीत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' के चर्चित बुंदेली भजन 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दई' के गायक सुनील लोधी इन दिनों देशभर में चर्चा में हैं। मध्य प्रदेश के सागर जिले के रहने वाले दृष्टिहीन लोक गायक सुनील लोधी शुक्रवार को गाजियाबाद नगर निगम पहुंचे।

नगर निगम में उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान सुनील लोधी ने मीडिया के सामने अपने लोकप्रिय भजन की कुछ पंक्तियां गाकर सुनाईं तो माहौल भक्तिमय हो गया। उनकी सादगी और सुरों ने मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सुनील लोधी का सम्मान करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लोक संगीत और भक्ति गीत भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। सुनील लोधी ने सम्मान के लिए नगर निगम एवं नगर आयुक्त का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चार लाख में जमीन का सौदा, तीन लाख की धोखाधड़ी! बुजुर्ग ने प्रॉपर्टी डीलर पर लगाया आरोप

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विजयनगर थाना क्षेत्र में जमीन बेचने के नाम पर एक बुजुर्ग से तीन लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने एक प्रॉपर्टी डीलर समेत अन्य लोगों पर जमीन के सौदे और रजिस्ट्री के दौरान धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। विजयनगर सेक्टर-9 निवासी राम अवतार शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कृष्णा नगर बागू निवासी अशोक कुमार सिंह प्रॉपर्टी डीलर है। आरोप है कि

फरियादियों की सुनी पुकार, एसीपी ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने शिकायतकताओं से सीधे संवाद करते हुए उनकी शिकायतों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एडिशनल सीपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। संबंधित प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शिकायतकताओं को समय से राहत उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

नॉलेज पार्क में रफ्तार का कहर, लोगों को कुचलकर भागी कार

आधा दर्जन लोगों पर चढ़ाई कार, मौके से फरार हुआ चालक

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में एक कार चालक द्वारा कथित तौर पर आधा दर्जन लोगों को वाहन की चपेट में लेने का मामला सामने आया है।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि कार सवार ने लोगों के बीच से तेज रफ्तार में गाड़ी निकालते हुए कई लोगों को टक्कर मार दी और इसके बाद मौके से फरार हो गया। घटना की तस्वीर/वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर वाहन और चालक की पहचान करने में जुटी है। हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी पुलिस जांच के बाद सामने आएगी।

घटना ने सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों की सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

कुंडल बड़े करने का झांसा देकर बुजुर्ग महिला से ठगे जेवर, कागज खोलते ही उड़े होश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना क्षेत्र में ठगी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। टहलने निकली बुजुर्ग महिला को एक व्यक्ति ने कुंडल बड़ा करने का झांसा दिया और बातों में फंसाकर उनके कानों से जेवर उतरवा लिए। इसके बाद आरोपी ने कुंडल बड़ा करने का नाटक किया और कुछ देर बाद कागज में लपेटकर जेवर वापस करने की बात कहकर वहां से चला गया। घर पहुंचने पर महिला ने कागज खोला तो उसमें कुंडल की जगह कुछ भी नहीं था। पीड़िता के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अमन एन्क्लेव मोरटी निवासी पंकज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 सितंबर को उनकी मां रोजाना की तरह टहलने के लिए घर से बाहर निकली थीं। इसी दौरान रास्ते में एक व्यक्ति उनके पास आया। आरोपी ने महिला से कहा कि वह उनके कानों में पहने कुंडल को बड़ा कर सकता है। महिला उसकी बातों में आ गईं और आरोपी के कहने पर अपने कुंडल उतार दिए। आरोपी ने कुंडल अपने पास लेकर उन्हें बड़ा करने का नाटक शुरू कर दिया। कुछ देर बाद उसने जेवर को एक कागज में लपेटा और महिला को वापस कर दिया। आरोपी के झांसे में आई बुजुर्ग महिला कागज लेकर घर पहुंच गईं। घर पहुंचने के बाद जब उन्होंने कागज खोलकर देखा तो उसमें कुंडल नहीं थे। कागज पूरी तरह खाली था।